● जयपुर, शुक्रवार, 20 सितंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 36 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

“सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।”

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 समता, न्याय और संवैधानिक अधिकारों के मुद्दों पर भेद - भाव- छुआछूत...

पेज @4 नई पर्यटन इकाई नीति जल्दी होगी लागू : दिया कुमारी...

पेज @8 » दौसा में 35 फीट गड्ढे में फंसी 2 साल की मासूम नीरू को...

नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा संस्करण

हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे नौसेना : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली । एजेंसी

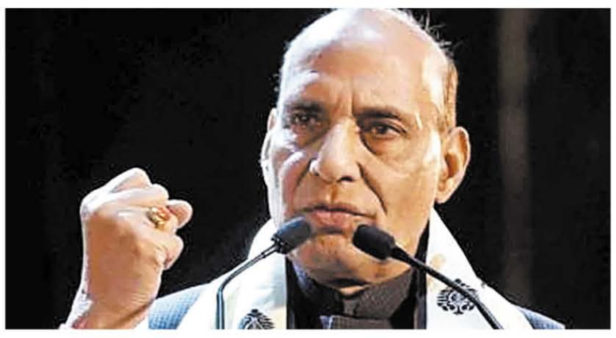

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्थिक, व्यापार, परिवहन और समग्र राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए मजबूत नौसैनिक क्षमता की जरूरत पर बल देते हुए नौसेना के शीर्ष कमांडरों से मौजूदा अस्थिर वैश्विक परिदृश्य में हर तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है।

रक्षा मंत्री ने गुरुवार को यहां नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन के दूसरे संस्करण में कमांडरों से कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय नौसेना की बढ़ती ताकत को और अधिक मजबूत बनाया जाना चाहिए और कमांडरों को समय-समय पर स्थिति की समीक्षा कर आज के अस्थिर वैश्विक परिदृश्य में हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आर्थिक, व्यापार, परिवहन और समग्र राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत नौसैनिक क्षमता की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने हिंद महासागर में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की और इस क्षेत्र को आर्थिक, भू-राजनीतिक, व्यापार और सुरक्षा पहलुओं की दृष्टि से संवेदनशील बताया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत एक समय समुद्र तटों से घिरा हुआ देश था, लेकिन अब इसे भूमि सीमाओं के साथ एक द्वीप देश के रूप में देखा जा सकता है। रक्षा मंत्री ने देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए क्षेत्र में प्रथम उत्तरदाता के रूप में विश्वसनीयता के लिए भारतीय नौसेना की तत्परता की सराहना की। उन्होंने कहा, ‘दुनिया के व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से होकर गुजरता है, जो इसे मूल्यवान बनाता है। वहीं, समुद्र में समुद्री डकैती, अपहरण, ड्रोन हमले, मिसाइल हमले और समुद्री केबल कनेक्शन में व्यवधान जैसी घटनाएं इसे बेहद संवेदनशील बनाती हैं। हमारी नौसेना ने इंडो-पैसिफिक के सभी हितधारक देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने और हिंद महासागर क्षेत्र में माल की सुचारू आवाजाही में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके समुद्री डकैती विरोधी अभियानों को न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी सराहना मिल रही है। भारत को अब इस पूरे क्षेत्र में एक पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में देखा जाता है। जब भी जरूरत होगी, हम क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।’ रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षमता विकास के लिए अत्याधुनिक जहाजों, पनडुब्बियों आदि को शामिल करके भारतीय नौसेना को और अधिक शक्तिशाली बनाने के सरकार के प्रयास को दोहराया। उन्होंने कहा कि अभी भारतीय शिपयार्डों में 64 जहाज और पनडुब्बियां निर्माणाधीन हैं, और 24 अतिरिक्त प्लेटफार्मों के लिए ऑर्डर दिए गए हैं।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024

केंद्र ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए किए कई सुधार : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली । एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने पिछले 10 वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए कई सुधार किए हैं। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भारत खाद्य क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता तथा सुरक्षा के वैश्विक मानक स्थापित करे।

किसान देश के खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़

राजधानी नयी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि सरकार प्रतिबद्ध है कि देश खाद्य क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा के लिए वैश्विक मानक स्थापित करे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में एक जीवंत और विविध खाद्य संस्कृति है। उन्होंने कहा कि किसान देश के खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ है। मोदी ने कहा कि सरकार नवीन नीतियों और केंद्रित कार्यान्वयन के साथ किसानों का समर्थन कर रही है।

प्रधानमंत्री का ये वीडियो संदेश मेगा फूड इवेंट 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' के तीसरे संस्करण के अवसर पर पढ़ा गया। यह कार्यक्रम 19 से लेकर 22 सितंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में 90 से अधिक देश हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' के आयोजन के बारे में जानकर खुशी हुई। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए सभी प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएं।

भारत खाद्य क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा का वैश्विक मानक स्थापित करेगा

मोदी ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान हमने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बदलने के लिए व्यापक सुधार पेश किए हैं। खाद्य प्रसंस्करण में शत प्रतिशत एफडीआई, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिककरण, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से हम पूरे देश में आधुनिक बुनियादी ढांचे, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं और रोजगार सृजन का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे विजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा छोटे उद्यमों को सशक्त बनाना है। हम चाहते हैं कि हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) फलें-फूलें और वैश्विक मूल्य श्रृंखला का एक अभिन्न अंग बनें। इसके साथ ही महिलाओं को सूक्ष्म उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करें। ऐसे समय में वर्ल्ड फूड इंडिया हमारे लिए बी2बी इंटरेक्शन और प्रदर्शनियों, रिवर्स बायर-सेलर मीट और देश, राज्य और क्षेत्र-विशिष्ट सत्रों के माध्यम से दुनिया के साथ काम करने के लिए एक आदर्श मंच है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन का आयोजन डब्ल्यूएचओ, एफएओ और कई प्रतिष्ठित घरेलू संस्थानों सहित वैश्विक नियामकों को खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं जैसे मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके अलावा मुझे यकीन है कि खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और खाद्य अपव्यय को कम करने के लिए खाद्य विकिरण, पोषण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पौधे आधारित प्रोटीन, साथ ही परिपत्र अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रदर्शित किया जाएगा। आइए हम आगे बढ़ें और एक टिकाऊ, सुरक्षित, समावेशी और पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करें।

उल्लेखनीय है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने भारत मंडपम में मेगा फूड इवेंट 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' का आयोजन किया गया है। ये कार्यक्रम राजधानी नयी दिल्ली के प्रगति मैदान भारत मंडपम हो रहा है,

न्यूज़ अपडेट

सलमान खान के पिता सलीम खान को धमकी , अनजान महिला ने कहा-लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या

मुंबई/एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के पिता और मशहूर पटकथा लेखक सलीम खान को एक बार फिर से धमकी मिली है। हाल ही में एक अनजान महिला ने सुबह की सैर पर निकले सलीम खान के पास आकर कहा, लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या? यह घटना सलमान खान और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर रही है, क्योंकि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पहले भी सलमान खान को धमकी दे चुका है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सलीम खान को यह धमकी एक अनजान महिला द्वारा दी गई। महिला ने कॉल पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम लेकर धमकाया, जिसने पहले ही सलमान खान को निशाना बनाने की धमकी दी थी।

यह घटना उस समय आई है जब सलमान खान और उनका परिवार पहले से ही सुरक्षा के घेरे में है। लॉरेंस बिश्नोई, जो फिलहाल जेल में है, ने खुलेआम सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी, जिससे अभिनेता की सुरक्षा पहले से कड़ी कर दी गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

बिहार के नवादा में दबंगों का आतंक, फायरिंग कर 80 घरों को किया आग के हवाले, गांव में 5 थानों की पुलिस तैनात

नवादा/एजेंसी।

बिहार के नवादा में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी। करीब 80 घर इस आग में जलकर खाक हो गए। पुलिस का कहना है कि 20 घर ही आग में जले हैं और इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। इस मामले में पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना पर नीतीश सरकार को घेरा है। यह घटना नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ननौरा के पास स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती की है। यहां दो पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बुधवार रात दबंगों ने दलित परिवारों के साथ मारपीट की थी और फिर हवाई फायरिंग के बाद उनके घरों को आग लगा दी।

बताया जा रहा है कि गांव में जमीन के एक हिस्से पर फिलहाल दलित परिवारों का कब्जा है। इस जमीन पर कब्जे को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद चल रहा है। पीड़ितों का आरोप है कि बुधवार रात को अचानक दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट के साथ उनके घरों में आग लगा दी गई। एसपी अभिनव धीमान ने बताया, कि सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा घरों को जलाया गया है। शुरुआत में दावा किया गया था कि 40-50 घर जलाए गए, लेकिन हमने जितना अभी तक सिविल साइड और पुलिस ने रात के अंधेरे में जितना सर्वे किया है, करीब 21 घरों के परिवारों को हमने चिन्हित किया है।इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने यहां हवाई फायरिंग की घटना से इनकार किया है। एसपी ने बताया कि इस घटना के जो मुख्य आरोपी बताए जा रहे थे, उनको हमने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी के साथ-साथ 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। बताया जा रहा है कि लगभग 5 थानों की पुलिस को यहां बुलाया गया है।

नवादा की घटना पर तेजस्वी यादव का बयान आया है। तेजस्वी ने इस घटना की तुलना महा जंगलराज, महा दानवराज, महा राक्षसराज से की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘ङ्क’ पर लिखा, महा जंगलराज महा दानवराज महा राक्षसराज। नवादा में दलितों के 100 से अधिक घरों में लगाई आग। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के राज में बिहार में आग ही आग। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बे-फिक्र, हृष्ठ्र के सहयोगी दल बेखबर। गरीब जले, मरे-इन्हें क्या? दलितों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा।

बड़ा रेल हादसा होने से टला, मथुरा के पास ट्रेन के 26 डिब्बे पटरी से उतरे

मथुरा/एजेंसी

उत्तर मध्य रेलवे में आगरा मंडल के मथुरा पलवल रेल खण्ड के वृन्दावन रोड और आझई स्टेशन के बीच दिल्ली की तरफ जा रही कोयले से लदी एक मालगड़ी के 26 वैगन बुधवार देर रात पटरी से उतर गये जिसके कारण इस रेलखंड पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

मालगाड़ी के बेपटरी होने के चलते 18 गाडियों का निरस्तीकरण कर दिया गया है वहीं 18 गाडियों का मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है और तीन गाडियों का आंशिक निरस्तीकरण कर दिया गया है। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा डिवीजन की डीसीएम एवं जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि मालगाड़ी के चालक और गार्ड सुरक्षित हैं तथा किसी प्रकार की जान-माल की हानि नही हुई है। इंजन के चार वैगन के बाद के डिब्बे पलटे है।आगरा मंडल के डीआरएम तेज प्रकाश अग्रवाल घटनास्थल पर पहुंच गए हैं तथा उनकी देखरेख में रिलीफ का काम शुरू होने जा रहा है। उधर एक्सीडेन्ट रिलीफ ट्रेन भी मौके पर पहुंच गई है। मालगाड़ी के डिब्बे पलटने के कारण चार में से तीन लाइने बाधित हो गई हैं।मथुरा जंकशन स्टेशन के स्टेशन डायरेक्टर एस के श्रीवास्तव ने भी 26 वैगन के पलटने की पुष्टि की है। एनसीआर मुख्यालय प्रयागराज के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार डिब्बे 1954 बजे पटरी से उतरे थे। इसके कारण जहां 18 गाडियों का निरस्तीकरण कर दिया गया है वहीं 18 गाडियों का मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है और तीन गाडियों का आंशिक निरस्तीकरण कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया अदाणी ग्रुप, 25 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी

अहमदाबाद/एजेंसी।

भारी बारिश के कारण बाढ़ से जूझ रहे आंध्र प्रदेश के लोगों की मदद से लिए अदाणी ग्रुप की ओर से गुरुवार को 25 करोड़ रुपये की मदद का ऐलान किया गया।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान से बेहद परेशान हूं। इस कठिन परिस्थिति में अदाणी ग्रुप आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ मजबूती से ही खड़ा है। हम पूरे विनम्र भाव से अदाणी फाउंडेशन के माध्यम से राहत के लिए 25 करोड़ रुपये का योगदान देते हैं।

इसके साथ ही गौतम अदाणी की ओर से एक फोटो पोस्ट की गई, जिसमें अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के एमडी करण अदाणी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सहायता देते हुए नजर आ रहे हैं।

गौतम अदाणी की पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए करण अदाणी ने लिखा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में चल रहे राहत अभियान में योगदान देने का मौका मिला। हमारा दिल उन लोगों के साथ है जो अपने जीवन और आजीविका का पुनर्निर्माण कर रहे हैं।

इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर : भविष्य के गंभीर खतरे का संकेत

लेबनान की राजधानी बेरूत में एक दिन पहले पेजर और उसके बाद वॉकी–टॉकी व सोलर सिस्टम में विस्फोट से दर्जनों मौत और हजारों की संख्या में लोगों के घायल होने के बाद साफ हो गया है कि दुनिया के किसी भी कोने का कोई भी व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो तो यह उसकी गलतफहमी है। दरअसल, लेबनान की घटना में विरोधियों से बदला लेने का नया हथियार सामने आ गया है। खतरा यह है कि दुश्मन से बदला लेने का साधन न होकर यह आतंक का नया हथियार भी हो सकता। दुनिया में आतंकवादी गतिविधियों को इससे बढ़ावा मिलेगा। इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर का यह नया अंदाज अपने आप में गंभीर और अत्यधिक चिंताजनक हो गया है। इसके दुरुपयोग की आशंकाएं बहुत अधिक हैं। कभी संवाद का माध्यम रहे पेजर का युद्ध के नए हथियार के रूप में सामने आना चिंताजनक होने के साथ भविष्य में नए तरीके के युद्ध का संकेत बनकर सामने आया है। लेबनान में हजारों पेजरों, वॉकी–टॉकी और सोलर सिस्टम में विस्फोट से यह साफ हो गया कि इलेक्ट्रोनिक डिवाइसों का उपयोग विनाश, आतंक फैलाने या इसी तरह की दूसरी गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। लेबनान में एक साथ हजारों की संख्या में पेजरों में विस्फोट को लेकर आशंकाओं का बाजार गर्म है। यह एक तरह का साइबर अटैक कहा जा सकता है पर अभी आरंभिक स्थिति है ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि या तो डिवाइस को हैक करके यह कार्रवाई की गई है या फिर पेजर जहां से खरीदे गए हैं वहां से ही इसमें कोई विस्फोटक प्लांट किया गया है। जिसका परिणाम मौत और हताहतों के रूप में सामने आ रहा है। करीब एक दर्जन से अधिक की मौत की शुरुआती जानकारी के साथ 3 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के समाचार है। ईरानी राजदूत सहित करीब 500 लोगों को आंख गवानी पड़ी है। जानकारों के अनुसार एक तरह से इसे इलेक्ट्रोनिक वॉरफायर भी कहा जा सकता है। हालांकि इस घटना के लिए इजरायल पर निशाना साधा जा रहा है, वहीं पेजर सप्लाई करने वाली ताइवान की कंपनी भी शक के दायरे में है। लगभग यही स्थिति वॉकी–टॉकी और सोलर सिस्टम के विस्फोट को लेकर है।

ईरान समर्थित संगठन हिज्बुल्लाह व हमास पहले ही इस तरह की घटना के प्रति सचेत था। उसे शक था कि सेलफोन के माध्यम से इस तरह की घटना के साथ ही हमास की गतिविधियों की जासूसी संभव है। ऐसे में हमास ने अपने प्रमुख समर्थकों को पेजर का उपयोग करने की ही सलाह दी डुई थी। पिछले दिनों ही ताइवान से 5000 पेजर मंगवाये गये थे। वॉकी–टॉकी भी लगभग पांच माह पहले खरीदे गये थे। यह कयास लगाया जा रहा है कि पेजर सप्लाई करने से पहले उसमें कोई इस तरह की चिप लगा दी गई थी जो एक निश्चित तापमान पर आते ही विस्फोट हो जाए। दूसरी ओर यह भी कयास है कि पेजर को हैक करके बैटरी का तापमान बढ़ा कर विस्फोट किया गया हो। लगभग यही कुछ वॉकी–टॉकी व सोलर सिस्टम को लेकर है। हालांकि ताईवान की पेजर निर्माता कंपनी के सू चिंग कुआंग ने पेजर में पहले से कोई विस्फोटक इंप्लांट होने की बात को सिरे से खारिज किया है। इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर की आशंकाओं को इससे समझा जा सकता है कि हिज्जबुलाह नेता हसन नसरुल्लाह ने सेलफोन के उपयोग ना करने के लिए अपने समर्थकों को सतर्क कर रख था। यही कारण था संगठन के बीच संवाद का माध्यम पेजर ही था। लेबनान के लोग अभी तक यह नहीं भूले हैं कि 6 मार्च, 1966 को हमास नेता या'। अब्बास को फोन कॉल विस्फोट कर उड़ा दिया था।

सवाल यह नहीं है कि इन विस्फोटों से कितने लोग मरे या हताहत हुए, सवाल यह भी नहीं है कि इसके लिए निर्माता कंपनियां दोषी है या हैक करने वाले, सवाल यह है कि आर्थिक उदारीकरण के दौरान दुनिया सिमट के रह गई है। अधिकांश जरूरत की चीजों में चिप का इस्तेमाल आम है। इलेक्ट्रोनिक्स और इलेक्ट्रिकल क्रांति के इस युग में देखा जाए तो फिर कुछ भी सुरक्षित नहीं है। पेजर, वॉकी–टॉकी या सोलर सिस्टम तो बहाना है। क्या गरीब और क्या अमीर सभी के पास एंड्रोइड मोबाइल व अन्य उत्पाद आम है। कंम्प्यूटर, टेबलेट्स, नोटबुक, लैपटॉप आदि का उपयोग आम है और इनको हैक किया जाना तो आसान है। पिछले दिनों जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट को चंद समय के लिए हैक कर दिया गया था या सोशल मीडिया साइट वाट्सएप आदि को हैक कर भले ही कुछ समय के लिए ही हो पर हैंकरों ने अपनी ताकत दिखा दी। हालात यह है कि अब तो लक्जरी गाड़ियों में डिवाइस का उपयोग होने लगा है। इसी तरह से घर में दैनिक उपयोग के एसी, फ्रिज, इंडक्शन अन्य उत्पाद आदि जिस जिस में भी डिवाइस लगी होती है उसमें सिस्टम में कुछ भी गलत कर सप्लाई करने और कभी भी दुरुपयोग करने की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता है।

डिजिटल अरेस्ट, साइबर क्राइम आदि जब आज आम होता जा रहा है तो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर तो नए जमाने का नया संकट है। ऐसे में किसी भी सिरफिरे व्यक्ति या आतंकी या देश द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने की आशंकाएं बढ़ गई। यह अपने आपमें मानवता के लिए नया संकट हो गया है। समय रहते इसकी काट बनानी होगी नहीं तो किसी के पागलपन का शिकार निर्दोष लोगों को भी होना पड़ सकता है। यह कोई लेबनान की समस्या नहीं है, ना ही यह पेजर, वॉकी–टॉकी और सोलर सिस्टम में ब्लास्ट तक सीमित है। सिरियल बम विस्फोट से भी अधिक गंभीर है इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर। जब दुनिया के किसी कोने में बैठा खुरापाती किसी भी कम्प्यूटर, लेपटॉप आदि को हैक कर नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि जिस तरह हमारी निर्भरता इलेक्ट्रोनिक उत्पादों पर लगातार बढ़ती जा रही है, उसी तरह से विनाश की आशंकाएं बढ़ती जा रही हैं।

श्रद्धा की अभिव्यक्ति श्राद्ध

हृदयनारायण दीक्षित

श्रद्धा भाव है और श्राद्ध कर्मकाण्ड। श्रद्धा मन का प्रसाद है। प्रसाद आंतरिक आनंद देता है। पतंजलि ने श्रद्धा को चित्त की स्थिरिता या अक्षोभ से जोड़ा है। श्रद्धा की दशा में क्षोभ नहीं होता। श्रद्धा की अभिव्यक्ति श्राद्ध है। भारतीय विद्वानों ने श्रद्धा भाव को श्राद्ध कर्म बनाया। पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए अन्न, भोजन, जल आदि के अर्पण तर्पण का कर्मकाण्ड बनाया। श्रद्धा है कि अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलता है। वे प्रसन्न होते हैं और सन्तति को सभी सुख साधन देते हैं। हम भारतवासी वरिष्ठों, पूर्वजों के प्रति श्रद्धालु रहते हैं। संप्रति पितर पक्ष है। इस समय को पितरों के प्रति श्राद्ध के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। लोक मान्यता है कि इस पक्ष में पूर्वज पितर आकाश लोक आदि से उतर कर धरती पर आते हैं। हम पूरे वर्ष तमाम गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। इसी में 15 दिन पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के हैं। वैदिक निरूक्त में श्रत और श्रद्धा को सत्य बताया गया है। पितरों का आदर मानवीय गुण है। हम पितृपंक्ति का विस्तार हैं। वे थे, इसलिए हम हैं। उन्होंने पालन–पोषण दिया, स्वयं की महत्वाकांक्षाएं छोड़ी। उन्होंने हमारी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए तमाम कर्म किए। वे नमस्कारों के योग्य हैं। वे श्रद्धेय हैं। कुछ विद्वान कहते हैं कि ऐसे कर्मकाण्ड वैज्ञानिक दृष्टिकोण की संगति में नहीं आते। वे अंधविश्वास जान पड़ते हैं लेकिन कर्मकाण्ड निराधार नहीं होते। सभ्य समाज में पितरों का आदर होना ही चाहिए। श्राद्धकर्म की वैज्ञानिकता की बहस पुरानी है। मत्स्य पुराण (19.2) में प्रश्न है कि श्राद्ध का भोजन पुरोहित या अग्नि को अर्पित होता है, क्या वह मृत पूर्वजों द्वारा खाया जाता है? जो मृत्यु के बाद अन्य शरीर धारण कर चुके होते हैं?'' इस प्रश्न का उत्तर भी दिया गया है, ''पिता, पितामह और प्रपितामह को वैदिक मंत्रों में क्रमशः वसु, रूद्र और आदित्य देव के समान माना गया है। वे नाम परिचय सहित उच्चारण किए गए मंत्रों आहुतियों को पितरों के पास ले जाते हैं। यदि पितर सत्कर्म के कारण देवता हो गए हैं तो वह भोजन आनंद रूप में उनके पास पहुंचता है, यदि पशु हो गए हैं तो भोजन घास हो जाता है यदि सर्प जैसे रेंगने वाली योनि में हैं तो यह भोजन वायु आदि के रूप में उन्हें मिलता है।''

मत्स्य पुराण के प्रश्न तत्कालीन समाज के जिज्ञासुओं के तर्क हैं। प्रश्नों के उत्तर श्राद्ध समर्थकों के स्पष्टीकरण हो सकते हैं। श्रद्धा कर्म परम्परा पुरानी है और पुनर्जन्म पर विश्वास भी प्राचीन है। ऋग्वेद में पुनर्जन्म की चर्चा है लेकिन संतानों द्वारा प्रेषित भोजन पितरों को मिलने की धारणा में पुनर्जन्म सिद्धांत का मेल नहीं है। पहले बात साफ थी कि मृतात्माएं श्राद्धकर्म का भोजन पाती हैं। पुनर्जन्म सिद्धांत के कारण आत्मा के नए शरीर धारण की बात आई। आर्य समाज श्राद्धकर्म के पक्ष में नहीं है। बेशक उसने वैदिक दर्शन को प्रतिष्ठा दी। उसके सामने ऋग्वेद में पितरों के उल्लेख की समस्या थी। आर्य समाज ने ऋग्वैदिक पितरों को मृत नहीं माना। उन्हें जीवित वानप्रस्थी बताया। समस्या शतपथ ब्राह्मण के रचनाकार के सामने भी थी। यहां मंत्र है ''यह भोजन पिता जी आपके लिए है।'' याज्ञवल्क्य की व्यवस्था है ''वसु, रूद्र और आदित्य हमारे पितर हैं। वे श्राद्ध के देवता हैं। पितरों का ध्यान वसु रूद्र और आदित्य के रूप में ही करना चाहिए। वृहदारण्यक उपनिषद् में याज्ञवल्क्य ने शाकल्य को रूद्र और वसु का वास्तविक अर्थ समझाया है। यहां पृथ्वी, आकाश आदि वसु हैं। प्राण, इन्द्रियां मन आदि रूद्र हैं। आदित्य प्रकाश हैं। पितर श्रद्धा यहां प्रकृति की शक्तियों के प्रति समर्पित दिखाई पड़ती है। ऋग्वेद के दसवें मण्डल (सूक्त 14) में मृत पितरों पर रोचक विवरण है। कहते हैं ''यम (नियम) व्यवस्था को कोई बदल नहीं सकता। जिस मार्ग से हमारे पूर्वज गये हैं, उसी मार्ग से सभी मनुष्य जायेंगे। अन्ततः सबको यम के पास जाना ही पड़ता है।'' मृत पिता से कहते हैं ''जिस पुरातन मार्ग से पूर्वज पितर गये हैं, आप भी उसी से गमन करें।'' फिर यज्ञ कर्म की चर्चा है। यम से प्रार्थना है कि ''आप अंगिरा आदि पितरजनों सहित हमारे यज्ञ में आएं।'' आगे (सूक्त 15) पितरों को नमस्कार निवेदन करते हैं, ''जो पितामह आदि पितर पूर्वज या उसके बाद मृत्यु को प्राप्त पितर हैं, या जो फिर से उत्पन्न हो गए हैं। उन सबको नमस्कार है। इदं पितृभ्यो नमः अस्त्वद्य ये पूर्वासो या उपरास ईयुः।'' फिर कहते हैं, ''हे पितरों! हमारे आवाहन पर आप आएं। यज्ञशाला में दक्षिण की ओर कुश में बैठें।'' पूर्वजों पितरों का सम्मान और मृत होने के बावजूद उन्हें स्मरण करना आनंददायी है। उप्र में विवाह के एक दिन पूर्व महिलाएं लोक गीत गायन करती हैं, गीत में मृत पितरों को निमंत्रण है कि आप सब इस विवाह में आओ। बरात चलो। विवाह में आशीष दो। शास्त्र पुराना है या लोक? कह नहीं सकता। पितरों को निमंत्रण देने वाला लोकगीत पुराना है या ऋग्वेद के पितर सम्बंधी मंत्र? सच क्या है? मैं नहीं जानता पर मृत पितरों को जीवंत जानना स्मरण करना आ''ादकारी है। कर्मकाण्ड में भी इच्छा या अनिच्छापूर्वक रमते हुए सत्य की जिज्ञासा संभव है। कर्मकाण्ड सचेत भी हो सकते हैं और अचेत भी। दोनों ही स्थिति में अनायास कुछ नया घटित हो सकता है। मृत पितर मृत ही हैं। भारतीय चिन्तन में सूक्ष्म शरीर का अस्तित्व भी जाना गया है। सूक्ष्म शरीर पर भी प्रश्न उठाए जा सकते हैं। भोजन अर्पण शुद्ध श्रद्धा है। उन्हें मिलता है कि नहीं? ऐसे प्रश्न महत्वपूर्ण होकर भी श्रद्धा के सामने छोटे हैं। हम स्वाभाविक ही पूर्वजों की निन्दा में क्रोध करते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विषय पर सुंदर उदाहरण सुनाया था। कथा के अनुसार एक श्रद्धालु पितृ श्राद्ध कर रहे थे। तार्किक ने पूछा कि क्या यह भोजन उन्हें ही मिलेगा? श्रद्धालु ने प्रश्नकर्ता के पिता को गाली दी। प्रश्नकर्ता गुस्से में आ गया। श्रद्धालु ने कहा कि आप बेकार गुस्से में हैं। आपके पिता तक यह गाली तो पहुंची ही नहीं। वे मृत हैं इसलिए गाली उन्हें मिल भी नहीं सकती। प्रश्नकर्ता निरूत्तर थे। श्राद्ध श्रद्धा की ही अभिव्यक्ति है। श्रद्धा के कारण ही पत्थर में भी शिव दर्शन की संभावनाएं हैं।

श्रद्धा प्रगाढ़ भाव है। यह अंधविश्वास नहीं है। इसकी अपनी उपयोगिता है। श्रद्धालु विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोते। ऋग्वेद में श्रद्धा को देवता कहा गया है। वरिष्ठजनों के प्रति आदरभाव श्रेष्ठ सामाजिक संगठन की आधारशिला है। वरिष्ठ और पूर्वज हमसे पहले से इस संसार में हैं। उनके अनुभव प्रगाढ़ हैं। माथापच्ची बेकार है कि वे भोजन या सम्मान चाहते हैं कि नहीं चाहते। मूल बात यही है कि हम उन्हें सम्मान और श्रद्धा भाव देकर स्वयं का आत्मबल बढ़ाते हैं और सामाजिक कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। संप्रति वरिष्ठों का सम्मान घटा है। मृत माता–पिता के प्रति श्रद्धा दूर की बात है, जीवित माता–पिता भी फफक रहे हैं। श्राद्ध सामान्य कर्मकाण्ड नहीं है। हमारे पूर्वजों ने ही सुंदर समाज के लिए ऐसे सुंदर कर्मकाण्ड को गढ़ा है। इस कर्मकाण्ड में स्वयं के भीतर पूर्वजों के प्रवाह का पुनर्सृजन संभव है। अग्रजों, मार्गदर्शक, पूर्वजों और मंत्रद्रष्टा पितरों को नमस्कार करते मन नहीं अघाता। ऋग्वेद के ऋषि ने सही गाया है–इदं नमः ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृभ्यः।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

कांग्रेस की भयंकर भूलों को मोदी के सिर मढ़ने में जुटे राहुल

विकास सक्सेना

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी अमरीका यात्रा के दौरान सिखों के साथ धार्मिक भेदभाव के निराधार आरोप लगाए हैं। इस तरह के बयान अलगाववाद को हवा देकर देश की एकता व अखंडता के लिए घातक साबित हो सकते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि तमाम प्रयासों के बावजूद आम मतदाताओं को लुभा पाने में नाकाम राहुल गांधी ने विभाजनकारी एजेंडे पर आगे बढ़ने का मन बना लिया है। इतना ही नहीं, कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने अनेक जघन्य आपराधिक भूलें की हैं। इन पर सवाल पूछे जाने पर कांग्रेस नेताओं के पास कोई तार्किक जवाब नहीं होता है। इसलिए इन सवालों के जवाब में राहुल गांधी ने कुछ वैसे ही आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर मढ़ना शुरू कर दिए ताकि भाजपा को कांग्रेस के जैसा साबित किया जा सके। अमरीका यात्रा के दौरान उनकी सिखों को पगड़ी पहनने पर रोक जैसी अनर्गल बातें इसी श्रृंखला की कड़ी नजर आती है।

लोकसभा चुनाव 2014 में नरेंद्र मोदी और दूसरे भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर तीखे हमले किए थे। भ्रष्टाचार, जांच एजेंसियों के दुरुपयोग और शांतिपूर्ण आंदोलनों को तानाशाही पूर्वक कुचलने के गंभीर आरोपों से घिरी कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों का बचाव कर पाने में पार्टी नेताओं को भारी मुश्किल हो रही थी। ऐसे में देश की जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मजबूत विकल्प मानते हुए भारी बहुमत से विजयी बनाया। इन चुनावों में कांग्रेस अपना नेता प्रतिपक्ष बनाने लायक भी सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन कांग्रेसियों को भरोसा था कि पांच साल बाद सत्ता विरोधी लहर के प्रभाव में देश की जनता का नरेंद्र मोदी और भाजपा से मोहभंग हो जाएगा और वे कांग्रेस को देश की सत्ता सौंप देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में मानस तैयार करने के लिए राहुल गांधी ने चौकीदार चोर है– का अपमानजनक नारा गढ़ा था। उन्होंने राफेल सौदे में अधिक कीमत में विमान खरीदने और पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोप नरेंद्र मोदी पर लगाए थे। राहुल गांधी को पता है कि रक्षा खरीद में घोटाले को देश की जनता स्वीकार नहीं करती है। बोफोर्स तोप की खरीद में हुए घोटाले के आरोपों के कारण ही उनके पिता राजीव गांधी को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। इतना ही नहीं उनके पिता के नाना और देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय में हुए जीप खरीद घोटाले को लेकर आज तक उनकी आलोचना की जाती है। इसके अलावा अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर खरीद के मामले में खुद राहुल गांधी के परिवार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव 2019 में देश की जनता ने राफेल खरीद में घोटाले के आरोपों पर कोई खास ध्यान नहीं दिया और एक बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहले की अपेक्षा मजबूत सरकार बन गई। लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा को पिछले चुनाव से ज्यादा बड़ी सफलता मिलने और एक बार फिर अपना नेता प्रतिपक्ष बनाने लायक लोकसभा सीटें जीतने में नाकाम कांग्रेस के नेता भारी निराशा में डूब गए। इन चुनावों में मिली हार के बाद राहुल गांधी ने मोदी पर फिर से पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के आरोप लगाए। इसके अलावा उन्होंने अडाणी को लाभ पहुंचाने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम का निवेश उनकी कंपनियों में कराने का आरोप भी लगाया। ये आरोप नेहरू सरकार में हुए मूंदड़ा घोटाले जैसे ही थे। इस मामले को राहुल गांधी के दादा फिरोज गांधी ने अपने ससुर पंडित नेहरू की सरकार के विरोध में तीखे तरीके से उठाया था। उद्योगपति माधव प्रसाद बिड़ला के करीबी रिश्तेदार हरिदास मूदड़ा ने तत्कालीन केंद्रीय मंत्री और अधिकारियों को प्रभाव में लेकर छह कंपनियों के एक करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक के शेयर एलआईसी को बेच दिए थे लेकिन ये शेयर पहले ही कहीं और गिरवी रखे हुए थे। ये घोटाला इसलिए संभव हो सका क्योंकि उस समय शेयरों का लेनदेन ऑनलाइन न होकर भौतिक होता था। इस मामले में हरिदास मूंदड़ा को 22 साल कैद की सजा हुई और तत्कालीन वित्त मंत्री टीटी कृष्णामाचारी, वित्त सचिव एचएम पटेल और एलआईसी के चेयरमैन जीआर कामथ को अपने पद से हटना पड़ा। एलआईसी में आम लोगों का निवेश होता है और अगर एलआईसी को आर्थिक क्षति पहुंचती है तो इसका सीधे तौर पर देश की गरीब जनता को नुकसान उठाना पड़ेगा इसीलिए राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडाणी की कंपनी में एलआईसी के निवेश का मुद्दा काफी जोर शोर से उठाया। देश की सीमाओं की सुरक्षा हर नागरिक के लिए अत्यंत संवेदनशील विषय है। हमारी जमीन पर कोई दूसरा देश कब्जा कर ले इसे कोई भी राष्ट्रभक्त स्वीकार नहीं कर सकता। लेकिन आजादी के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नेहरू के कार्यकाल में पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख के एक बहुत बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया जबकि हमारे देश की सेनाएं उससे अधिक ताकतवर और मजबूत स्थिति में थीं। इसी तरह चीन ने भी पंडित नेहरू के समय में ही हमारे 38 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। इसको लेकर कांग्रेस और नेहरू की आज भी तीखी आलोचना होती है। इसी तरह का पाप मोदी सरकार पर मढ़ने के लिए राहुल गांधी ने कहना शुरू कर दिया कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। जबकि भारत सरकार और सेना लगातार इसका खंडन कर रहे हैं। इसके विपरीत हमारे देश के वीर जवानों के कारण चीन की सेना को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसा संभवतया पहली बार हुआ।

तानाशाही, संविधान बदलना और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर अपने राजनैतिक विरोधियों का दमन करना कितना संवेदनशील विषय है, इस बात का राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों को आभास है। उनकी दादी इंदिरा गांधी ने 1975 में तानाशाही का परिचय देते हुए देश में आपातकाल लगाकर पूरे विपक्ष को जेल में ठूंस दिया था। समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू कर दी गई थी। प्रतिबद्ध न्यायपालिका की अवधारणा भी उसी समय सामने आई थी। संसद के दोनों सदनों से पास कराए बिना 42वां संविधान संशोधन करके संविधान की मूल संरचना, उसकी प्रस्तावना तक को बदल दिया गया। लेकिन इसका बड़ा खामियाजा इंदिरा गांधी को भुगतना पड़ा और अगले चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा।

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग से खिन्न न्यायालय ने तो सीबीआई को पिजड़े का तोता मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान ही कहा था। इसी तरह 1984 के दंगों में सिखों के नरसंहार के गंभीर आरोप कांग्रेस के नेताओं पर ही हैं। उस समय हालात ऐसे हो गए थे कि अपनी जान बचाने के लिए बहुत से सिखों ने अपने केश तक कटवा लिए थे। इन घटनाओं के बाद राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने यह कह कर नरसंहार को स्वभाविक बताने का प्रयास किया कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। अब राहुल गांधी ने अपनी अमरीका यात्रा के दौरान सिखों के पगड़ी पहनने और गुरुद्वारे जाने की इजाजत नहीं दी जाएगी जैसी अनर्गल बातें करके प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को घेरने की कोशिश की है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सौहार्द तोड़ने की साजिश है गणेश पूजा पंडालों पर पत्थरबाजी

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में इन दिनों गणेशोत्सव को लेकर देश के कई हिस्सों में गणेश पूजा पंडालों व विसर्जन जुलूसों पर एक समुदाय विशेष के शरारती तत्वों द्वारा पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं। जिस तरह नियोजित ढंग से मध्य प्रदेश, गुजरात यूपी बिहार राजस्थान महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक तक इस आयोजन में पत्थरबाजी की वारदातों को अंजाम दिया गया है उसे देखते हुए लगता है कि कुछ लोगों ने जानबूझकर यह नया शरारती प्रयोग शुरू किया गया है. जो देश में भविष्य में आने वाले श्रीरामलीला श्रीरामबारात दुर्गा पूजा आदि उत्सवों व शोभा यात्राओं के लिए भी खतरे की घंटी दे रहा है।

आपको बता दें कि राजस्थान में भीलवाड़ा मध्यप्रदेश में रतलाम उत्तर प्रदेश में महोबा फर्रूखाबाद लखनऊ कर्नाटक के मांडया गुजरात के कच्छ सूरत भड़ूच बिहार के औरंगाबाद समेत दर्जनों जिलों के शहर कस्बों में गणेश उत्सवों के दौरान धर्म विशेष के उपद्रवियों द्वारा पत्थरबाजी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

देश के कई प्रदेशों के अलग अलग शहर कस्बों में हुई इन पत्थरबाजी की घटनाओं में कई जगह पत्थरबाजी के लिए मुस्लिम नाबालिग छोटे किशोर वय लड़कों को इस्तेमाल किया गया और गणेश पंडालों, गणेश मूर्तियों और हिंदू भक्तों पर पत्थर फेंके गए।गणेश उत्सवों के बीच देश के विभिन्न हिस्सों से पत्थरबाजी और हंगामे की खबरें काफी चिंता जनक और चौकाने वाली हैं । आइए अब आप को सिलसिलेवार संक्षेप में जानकारी देते हैं हाल में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चिनहट में एक घर में स्थापित की गयी गणेश जी की मूर्ति पर पत्थर फेंके गये हैं । पत्थरबाजी कुछ नाबालिग मुस्लिम लड़कों ने की इस शरारत में गणेश प्रतिमा के पास रखा कलश खंडित हो गया व अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया। वारदात को लेकर श्रद्धालुओं ने हंगामा किया दो नाबालिगो को पुलिस ने हिरासत में लिया। महाराष्ट्र के भिवंडी बलसाड समेत कई नगरो में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव किया गया है।

गुजरात के सूरत में दो मुस्लिम महिलाओं रुबाइना पठान और लाइमा शेख को उनके नाबालिग लड़कों को गणेश मूर्तियों पर हमला करने के लिए उकसाने के इल्ज़ाम में गिरफ्तार किया गया है यहां सूरत में एक गणेश पंडाल पर पथराव किया गया। घटना सैयपुरा इलाके की है, जहां पर गणेश प्रतिमा स्थापित की गई थी।

देर रात झुंड में आए कुछ लोगों ने पंडाल पर पथराव किया इनमें नाबालिग शामिल थे और गणेश मूर्ति पर पत्थर फेंके गए। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया। सैकड़ों लोगों ने थाने का घेराव किया। देर रात तक बवाल चलता रहा। पुलिस ने लोगों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठी चार्ज किया। रातभर ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद पुलिस ने पथराव करने वाले समुदाय विशेष के 27 लोगों को हिरासत में लिया ।गुजरात में एक तरफ गणेश महोत्सव चल रहा है और वहीं दूसरी ओर हिन्दुओं के इस त्यौहार के दौरान राज्य की शांति को भंग करने का प्रयास किया गया। यहां तीन दिन में चार बार हिन्दुओ की आस्था के साथ खिलवाड़ कर अराजकता करने का प्रयास किया गया। सबसे पहले सूरत में शरारत के बाद बड़ौदा और भरूच और कच्छ में भी ऐसी ही घटना सामने आई है ।कच्छ में सूरत पैटर्न से चार नाबालिग बच्चों ने गणेश मूर्ति खंडित की। यह घटना कच्छ के नखत्रणा तालुका के कोटड़ा जड़ोदर गांव में 10 सितंबर की देर रात सूरत पैटर्न से ही शांति भंग का प्रयास किया गया। गांव में गणेश पंडाल में चार मुस्लिम बच्चों ने गणेशजी की मूर्ति पर पथराव कर उसे नुकसान पहुंचाया, जिसके चलते गणपति प्रतिमा खंडित हो गई। इसके अलावा एक हिन्दू मंदिर पर हरे रंग का झण्डा भी फहराया गया। दोनों घटना के चलते स्थानीय गांववालों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने जाँच के बाद सात लोगो को गिरफ्तार कर लिया है। मंदिर पर हरा झण्डा फहराने के मामले में पुलिस ने चार लोगों को दबोच लिया है। अभी गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है और गांव में शांति बनी हुई है। कच्छ के स्थानीय कोर्ट ने पथराव के लिये जिम्मेदार चार बच्चों को राजकोट जुवेनाइल होम में भेजने का आदेश दिया है।

मध्य प्रदेश के रतलाम में भगवान गणेश की शोभायात्रा पर पथराव हुआ है। पथराव के बाद शहर में महत्वपूर्ण स्थानों पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। यह घटना मोचीपुरा इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि कुछ लोग 10 दिवसीय गणेश उत्सव के लिए भगवान गणेश की मूर्ति ले जा रहे थे।फिलहाल इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लेकर 13 लोगों के खिलाफ नामजद व 100 से 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दक्षिण भारत में कर्नाटक के मांड्या जिले में गणेश विसर्जन के लिए निकाली गई यात्रा के दौरान बवाल हो गया. आरोप है कि इसके मस्जिद के पास से गुजरते वक्त लोगों पर पथराव किया गया। खबर है कि इस घटना के बाद दो समुदाय के लोग आपस में भिड़ गए। आसपास की दुकानों में तोड़फोड़ और गाड़ियों में आग लगाए जाने की जानकारी भी सामने आई है। घटना जिले के बदरीकोप्पलु गांव की है. 10 सितंबर को गांव के युवक गणेश विसर्जन के लिए जुलूस निकाल रहे थे. आरोप है कि नागमंगला में मेन रोड पर एक मस्जिद के पास से गुजरते वक्त उन पर पत्थर फेंके गए. इस घटना से हालात बिगड़ गए और दोनों समुदाय के बीच झड़प शुरू हो गई। राजस्थान में भीलवाड़ा में भी धार्मिक जुलूस को लेकर तनाव फैल गया. जहाजपुर में गणेश शोभायात्रा पर पथराव के बाद लोगों में आक्रोश है. इस दौरान गणेश जुलूस निकाल रहे श्रद्धालुओं पर हुई पत्थरबाजी में एक व्यक्ति घायल हो गया. इसके बाद स्थानीय पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया है ।इस दौरान दो मस्जिदों को नोटिस देकर उनकी जमीन के दस्तावेज भी मांगे गए हैं। इस तरह देश के कई शहरों में गणेश उत्सवों में पथराव व हंगामा कर रंग में भंग करने की कोशिश क्या किसी सोची समझी साजिश के तहत अंजाम दी जा रही है? यह जांच का विषय है खासकर काश्मीर के पत्थरबाजों की तर्ज पर नाबालिग लड़कों से गणेश पंडाल और प्रतिमाओं पर पत्थरबाजी कराने के पीछे कौन सी मानसिकता काम कर रही है? कौन लोग हैं जो नाबालिग किशोरों के भीतर हिन्दुओं के खिलाफ नफरत का बीजारोपण कर अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं? क्या यह सारे वाकयात रूटिन में घटित हुई है? इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ वारदातों के पीछे शोभायात्रा में शामिल कुछ अतिउत्साही श्रद्धालुओं की हरकतें नारेबाजी दूसरे समुदाय को भड़काने के लिए जिम्मेदार रहीं हो लेकिन नाबालिग बच्चों से पंडाल और प्रतिमाओं पर कई शहर कस्बों में पत्थर फिकवाना धर्म स्थलों की छतों पर ईंट स्टोर कर तैयारी करना दाल में काला होने का पुख्ता हवाला देता है। कौन लोग हैं जो देश के भीतर सांप्रदायिक बदअमनी फैलाने की साजिश में लगे हुए हैं? सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने के लिए नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल कर भविष्य के लिए आत्मघाती बुनियाद रचने के पीछे कौन लोग या संगठन काम कर रहा है? क्या यह लोग भारत के हिन्दू समाज के साथ बंग्लादेश के कट्टरपंथी तत्वों जैसी हरकत नहीं कर रहे हैं इनके मंसूबों को खाद पानी कौन दे रहा है?

आप को बता दें कि साल 1893 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने हिंदुओं को एकजुट करने के लिए गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप से मनाने की परंपरा शुरू की। इसका उद्देश्य हिंदू समाज को एकत्रित करना और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना था। लेकिन साल1895 में महाराष्ट्र के धूलिया में गणेश विसर्जन के समय समुदाय विशेष की भीड़ ने हिंदुओं पर हमला किया। यह हमला तब हुआ जब गणेश प्रतिमा के विसर्जन यात्रा शाही जामा मस्जिद के पास से गुजर रही थी। जैसे ही जुलूस मस्जिद के पास पहुँचा, मुस्लिम समुदाय ने विरोध जताया और हिंसा शुरू कर दी। ब्रिटिश पुलिस ने इस घटना के दौरान भीड़ पर गोली चलाई, जिसमें कई लोग मारे गए। इस घटना ने तिलक के अभियान को और भी मजबूत किया। तिलक ने गणेश उत्सव को न केवल धार्मिक उत्सव, बल्कि हिंदू समाज को संगठित करने और उन्हें आत्मरक्षा के लिए प्रेरित करने का साधन बनाया। उन्होंने इस घटना के बाद हिंदुओं को और भी बड़े पैमाने पर संगठित करना शुरू किया ताकि सांप्रदायिक हिंसा का सामना किया जा सके। आज करीब 130 साल बीत जाने के बाद भी देश में गणेश उत्सवों पर इस तरह के पथराव और हमले बता रहे हैं कि हमारे समाज में विघटन पैदा करने वाले सांप्रदायिक तत्वों की मौजूदगी आज भी कायम है जिस सांप्रदायिक सद्भाव के लिए गणेशशंकर विधार्थी जैसे सैकड़ों महापुरुषों ने अपना बलिदान तक दिया लेकिन कुछ लोगों की मानसिकता को नहीं बदल सके जरूरत इस बात की है कि ऐसे बदअमनी फैलाने वाले समाजकंटको के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

समता, न्याय और संवैधानिक अधिकारों के मुद्दों पर भेद - भाव- छुआछूत मुक्त राजस्थान अभियान का जनसंवाद

जनसंवाद में जुटे लोगों ने कहा जाति, धर्म और लिंग के नाम पर किया जा रहा है! प्रताड़ित

चमकता राजस्थान

- कालबेलिया समुदाय के मृत लोगों को दफनाने के लिए नहीं जमीन
- हथाई के चबूतरे के सामने से पांवों में चप्पल नहीं पहन सकतीं महिलाएं
- नाई की दुकानों पर दलित समुदाय के लोगों के बाल नहीं काटे जाते
- नहीं थम रही हैं सीवरेज टेंक में सफाईकर्मियों की मौतें

जयपुर। राजस्थान में आए दिन समाज के अभिवंचित समुदाय के साथ छुआछूत और जाति/धर्म/लिंग के नाम पर भेदभाव की घटनाएं सामने आ रही हैं। आज भी अजमेर क्षेत्र में हथाई के चबूतरे के सामने से महिलाएं पांवों में चप्पल नहीं पहन सकतीं तो जोधपुर में कालबेलिया समुदाय में मृत व्यक्ति को दफनाने के लिए श्मशान के लिए जमीन नहीं है, मजबूरन उन्हें अपने घर के आंगन में ही मृत व्यक्ति को दफनाना पड़ रहा है।

ऐसे ही कई भेदभाव व प्रताड़ना के मामले आज जयपुर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में प्रदेशभर से सैंकड़ों की संख्या में जुटे लोगों ने राज्य सरकार व विभिन्न विभागों के आए प्रशासनिक अधिकारियों के सामने रखें। भेदभाव छुआछूत मुक्त राजस्थान अभियान की ओर से राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मैदान में आयोजित ''जनसंवाद'' में शोषित-पीड़ित, महिला, दलित, आदिवासी, घुमंतू, अल्पसंखक, ट्रांसजेंडर और दिव्यांगजन समुदाय के लोगों ने अपने मुद्दे रखें। अजमेर संभाग से आई निरमा ने बताया कि आज भी हथाई प्रथा के कारण गांवों में महिलाएं बड़े बुजुर्गों के व हथाई के चबूतरे के सामने से पांवों में चप्पल नहीं पहन सकतीं। इन महिलाओं के साथ लिंग के आधार पर असमानता का व्यवहार हो रहा है। जोधपुर जिले से आए त्रिलोकनाथ, नारूनाथ, पांचाराम कालबेलिया ने बताया कि उनके समुदाय के लोगों को अपनी पहचान के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। समुदाय के किसी व्यक्ति के निधन पर शव को दफनाने के लिए जगह तक नहीं मिलती।

उन्होंने बताया कि हमारी मांग है! कि घुमंतू- अर्द्धघुमंतू समुदाय में आने वाले सभी जाति समूहों के नागरिकता के प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज, घर, जमीन और शमशान भूमि आदि की व्यवस्था हो।

ट्रांसजेंडर समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रेम बाई ने कहा कि आज भी ट्रांसजेंडर समुदाय को अपने वजूद और हकों के लिए लड़ना पड़ रहा है। हमारे साथ समाज में हर जगह, चिकित्सा, आवास, रोजगार में भेदभाव होता है। हमें समाज अलग-अलग नामों से बुलाता है। वाल्मीकि समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव की बात करते हुए अलवर, टोंक से आए प्रवीण वाल्मीकि, राजेन्द्र करोतिया और दीपिका वाल्मीकि ने सिवरेज कार्यों में हो रही मौतों पर सवाल उठाया। विशेष योग्यजनों के साथ होने वाले भेदभाव की बात करते हुए नागौर जिले से आए लालाराम मेघवाल ने बताया कि राजस्थान दिव्यांगजन अधिनियम 2016 की राजकीय कार्यालय में अनुपालन नहीं हो पा रही है। राजकीय विभागों में रेम्प होना चाहिए लेकिन विभागों में कहीं-कहीं रेम्प बने हुए दिखाई देते हैं! लेकिन दिव्यांगजन इनको उपयोग में नहीं ले सकते। इनकी बनावट ऐसी है, सीधी खड़ी रहती है। इस पर दिव्यांगजन को उतरने-चढ़ने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कंजर समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव व अत्याचारों की बात करते हुए चित्तोडगढ़ से आए राकेश, महेश कंजर ने बताया कि उनके समुदाय को आए दिन पुलिस अत्याचार का सामना करना पड़ता है। पुलिस चोरी के झूठे मामले दर्ज करके उन्हें प्रताड़ना देती है। उदयपुर से आए हरी प्रकाश खराड़ी ने आदिवासी समाज के साथ वन अधिकार के दावों में बरते जा रहे भेदभाव का मुद्दा उठाया। जोधपुर से आईं अरूणा लीलावत ने बताया कि प्रदेश में आज भी कई इलाकों में नाई की दुकानों पर दलित समुदाय के लोगों के बाल नहीं काटे जाते। उदयपुर से आए याकूब मोहम्मद, शाहिस्ता और सिराज ने मुस्लिम समुदाय के साथ धर्म को लेकर हो रहे भेदभाव के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने की बात कही। उदयपुर से आईं सविता गुप्ता ने प्रदेश में बढ़ रही महिला हिंसा, दुष्कर्म की घटनाओं की रोकधाम हेतु कठोर कदम उठाते हुए पीड़िताओं को तत्काल न्याय दिलाने के संदर्भ में कार्यवाही की मांग की।

विदित है! कि भेदभाव-छुआछूत मुक्त राजस्थान अभियान अल्पसंख्यक, महिला, दलित, आदिवासी, घुमंतू, दिव्यांगजनों आदि मुद्दों पर कार्यरत समुदायों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संविधान पसंद,जागरूक नागरिकों का एक साझा मंच है! जो पिछले 2 वर्षों से समाज में भेदभाव-छुआछूत को खत्म करने के उद्देश्य को लेकर कार्यरत है! अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसा समाज बनाना है! जहां हर व्यक्ति, समानता, गरिमा और सम्मान के साथ जी सके।

भेदभाव-छुआछूत मुक्त राजस्थान अभियान की ओर से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में अभियान की ओर से मांग की गई कि सार्वजनिक स्थान एवं सामाजिक सेवाओं के उपयोग में समानता का अधिकार मिले। भेदभाव और अपमानजनक व्यवहार बंद करने हेतु कानून बनाया जाए। देश, राज्य में होने वाले जातिगत, वर्ग, लिंग कार्य आदि को लेकर होने वाले भेदभाव पर तुरंत रोक लगाकर सक्त कार्यवाही होनी चाहिए। राज्य सरकार, विधानसभा के आागामी सत्र में राजस्थान में होने वाले जातिगत भेदभाव पर अध्ययन कर श्वेत पत्र जारी करे। राज्य सरकार स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर, प्रदेश में हर तरह के भेदभाव-छुआछूत के खिलाफ 'जन जागृति अभियान' चलाए एवं संबंधित कानूनों का प्रभावी क्रियांवयन के मोनिटरिंग सिस्टम सुनिश्चित करें।

जनसंवाद में पूर्व संभागीय आयुक्त पीसी बेरवाल, पुलिस महानिरीक्षक मानवाधिकार किशन सहाय, सफाई कर्मचारी आयोग से प्रकाश हराड़े, सीडबल्यूसी से शीला सैनी, एडवोकेट सतीश कुमार आदि शामिल हुए।

जनसंवाद कार्यकम का संचालन एडवोकेट भीम राम मुड़िया एवं हेमलता कंसोटिया ने किया।

भेदभाव-छुआछूत मुक्त राजस्थान अभियान की ओर से सिराज खान, सीमा, बाबूलाल नागा, शाहिस्ता खान, निरमा, दीपक कुमार नायक, जसवंती चैहान, नारूनाथ कालबेलिया, दुर्गा खराड़ी, मोहन सिंह वर्मा, ब्रह्माशंकर)

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब जयपुर की पहल

- नाटकों का समाज में योगदान विषय पर होगी चर्चा

चमकता राजस्थान/जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर द्वारा रोटरी सभागार में शनिवार, दिनांक 21अक्टूबर को नाटकों का समाज में योगदान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन सुरेंद्र जैन पारस के संयोजन में शाम 6:30 बजे होने वाली संगोष्ठी में राजस्थान विश्वविद्यालय के नाट्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ कपिल शर्मा और वरिष्ठ रंगकर्मी, निर्देशक हेमन्त थपलियाल प्रमुख वक्ता होंगे। क्लब अध्यक्ष रो. गिरधर माहेश्वरी ने बताया कि आज के बदलते दौर में नाटकों से समाज में एक नई चेतना आ रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह संगोष्ठी आयोजित की जा रही है जिसमें श्रोताओं की जिज्ञासाओं के लिए प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम भी रहेगा '

भाजपा की नकारात्मक सोच का जवाब दें, कांग्रेस के पक्ष में करें मतदान : पायलट

- पायलट ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के लिए किया प्रचार

चमकता राजस्थान/जयपुर, 19 सितम्बर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र में, जनभावनाओं में कोई विश्वास नहीं हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के कारण आज जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। भाजपा तो यहां चुनाव कराना नहीं चाहती थी।

पायलट 18 एवं 19 सितम्बर को जम्मू-कश्मीर के चुनावी दौरे पर रहे। जम्मू-कश्मीर के अपने चुनावी कार्यक्रम के दौरान श्री पायलट ने 18 सितम्बर को सुरनकोट (जिला पूंछ), थानामंडी (जिला राजौरी) तथा जम्मू दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों तथा दिनांक 19 सितम्बर को राजौरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभाओं को सम्बोधित किया।

जम्मू-कश्मीर के चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित चुनावी सभाओं में श्री पायलट ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की जनता की भलाई के लिए ऐसा क्या काम किया जिसके नाम पर आज जनता से वोट मांग रही है। उन्होंने कहा कि अपनी बैसाखियों की सरकार को बचाने के लिए केन्द्र सरकार ने लाखों करोड़ो रूपये एक-दो राज्यों में बांट दिये और जिनमें जरूरत थी, जिनसे भाजपा ने वादे किये थे, वहां कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं धन्यवाद देता हूं देश की जनता को जिसने भाजपा की नकारात्मक सोच और घमण्ड का जवाब देते हुए लोकसभा चुनावों को भाजपा को बहुमत पार नहीं करने दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को डराकर, भय का वातावरण पैदा कर सत्ता पर काबिज होना चाहती है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि भाजपा की भय, पक्षपात, भाई से भाई को लडाने की द्वैष की राजनीति का पुरजोर जवाब देते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता संपन्न हुई में भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की महत्वपूर्ण बैठक

- अनेक अनुमोदनों के लिए गये उपयोगी फैसले
- आमजन को राहत ही पहली प्राथमिकता आनन्दी

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 19 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश एवं नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 200वीं बैठक में विभिन्न प्रकरणों का अनुमोदन करते हुए राज्य सरकार को भेजे जाने का निर्णय लिया गया। जेडीसी ने भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की बैठक में आवंटित भूमि/भूखण्ड की स्वीकृति हेतु राज्य सरकार को प्रेषित किये जाने वाले पत्र तुरन्त प्रभाव से भिजवाये जाने के निर्देश दिए एवं जिन प्रकरणों में राज्य सरकार से भूमि/भूखण्ड आवंटन की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है उन प्रकरणों में तत्काल आवंटन पत्र जारी करने के निर्देष दिए। बैठक में जोन-2 विधाधर नगर योजना के सेक्टर 7 में राजकीय महाविद्यालय, विद्याधर नगर के भवन निर्माण हेतु 5400 वर्गमीटर संस्थानिक भूखण्ड निःशुल्क आवंटन किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-द्वितीय (उत्तर) जयपुर को निजी खातेदारी योजना बिरदा एन्कलेव ग्राम भांकरोटाकला तहसील सांगानेर में आरक्षित सुविधा क्षेत्र में से एक हजार वर्ग गज भूमि उच्च जलाशय (पानी की टंकी) के निर्माण हेतु आवंटन किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में ग्राम पंचायत कंवरपुरा तहसील आमेर में सर्वसमाज के लिए श्मशान घाट हेतु 5200 वर्गमीटर भूमि आवंटन किये जाने का अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार को भिजवाने जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में उप तहसील बगरू को बजटघोषणा-2024 में क्रमोन्नत किया गया है इस हेतु जेडीए द्वारा दहमीकंला में एक हजार वर्ग मीटर भूमि निःशुल्क आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को परिवादों के तीव्र निस्तारण हेतु दिए निर्देश जनसुनवाई में कुल 54 परिवाद प्राप्त

गुणात्मक ढंग से परिवादों का निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान करें : जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) । माह के तृतीय गुरुवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित की गई। जनसुनवाई का जिले के प्रभारी सचिव पी रमेश वर्चुअल माध्यम से पर्यवेक्षण कर रहे थे। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि सभी अधिकारी न सिर्फ संख्यात्मक बल्कि गुणात्मक ढंग से परिवादों का निस्तारण कर अधिक से अधिक लोगां को राहत प्रदान करें। जनसुनवाई के दौरान परिवादी कन्हैया ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उसे खातेदारी की भूमि पर बुवाई व जुताई करने से रोका जा रहा है। जिस पर जिला कलक्टर ने पुलिस अधीक्षक धौलपुर को समुचित कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। वहीं परिवादी हरविलास के जमीन का पट्टा दिलवाये जाने के मामले में आयुक्त नगर परिषद को नियमानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। परिवादी विन्द्रावली ने शहरी रोजगार गारंटी योजना में किये गये कार्य के एवज में भुगतान न होने के संबंध में बताया जिस पर जिला कलक्टर ने आयुक्त नगर परिषद को त्वरित भुगतान की कार्यवाही कर परिवादी को राहत प्रदान किये जाने हेतु निर्देश दिए। परिवादी रहीस खां निवासी पुरानी छावनी में मोहल्ले में नालों की सफाई के संबंध में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया। जिस पर विकास अधिकारी धौलपुर को समुचित कार्यवाही कर मामले के निस्तारण हेतु निर्देश दिए। परिवादी किरन देवी निवासी मदीना कॉलोनी ने जनसुनवाई में बताया कि विगत कुछ माह से उसकी पेंशन रुकी हुई है जिस पर जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारी को मामले की जांच कर समुचित कार्यवाही कर मामले के निस्तारण हेतु निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुल 54 प्रकरण प्राप्त हुए जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर धीरेन्द्र सिंह, उपखण्ड अधिकारी धौलपुर साधना शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयन्ती लाल मीना, अधीक्षण अभियंता जल संसाधन सुरेश मीणा, तहसीलदार धौलपुर धर्म सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

खेल अकेडमियों में खिलाड़ियों की सुविधा में इजाफ़ा होगा

प्रदेश में खेलों का वातावरण तैयार किया जायेगा: डा. नीरज के. पवन

विडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

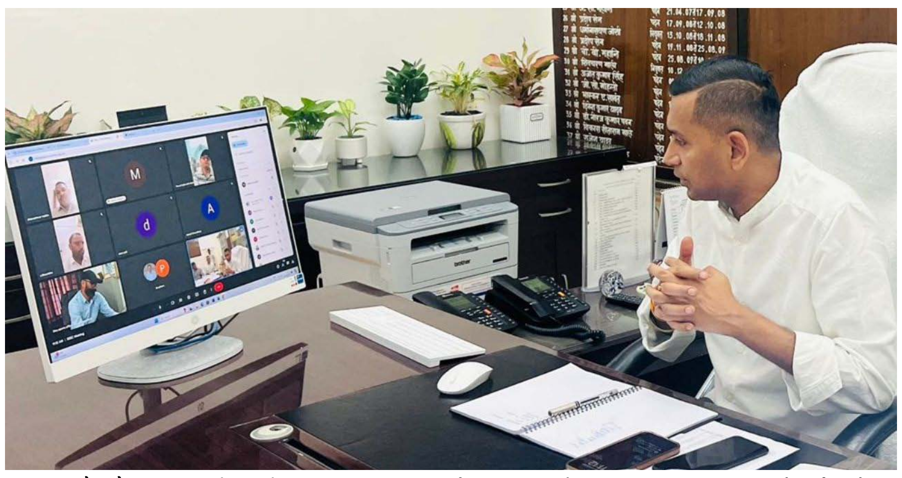

जयपुर। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य कीडा परिषद, डा. नीरज के. पवन की अध्यक्षता में गुरुवार को विभागीय कार्यों की समीक्षा हेतु सभी ज़िला खेल अधिकारी/प्रभारियों की विडियों कॉन्फ्रेन्स के मार्फ़त मीटिंग ली। लगभग तीन घंटे चली बैठक के एजेंडे में स्टेडियम निर्माण कार्य, स्टेडियमों में संचालित खेल गतिविधियां, खेलो इंडिया सेन्टर, खेल अकादमियों, नियमित कार्मिकों की संख्या, अल्पकालीन प्रशिक्षकों की उपलब्धता व खेल मैदान आदि पर सभी से विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

डा. नीरज के. पवन ने कहा कि खेल विभाग एवं राज्य क्रीड़ा परिषद एक टीम है और आप अपने अपने ज़िले में हमारे प्रतिनिधि है। सभी अनुशासन में रहेंगे और हर सूरत में समय पर ऑफिस/ग्राउंड आना सुनिश्चित करेंगे। स्टेडियम को साफ़ सुथरा रखना आपकी ज़िम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की अनाधिकृत गतिविधियां नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखा जाये। प्रदेश में खेलों का वातावरण तैयार करना हमारी पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने खेल व खिलाड़ियों को लेकर बजट में काफी घोषणाएं कर प्रदेश में खेलों का वातावरण बनाने को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर की है। हम इसमें कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। इस हेतु आपको पूरी सहायता उपलब्ध करवायी जायेगी।

डा. नीरज के. पवन ने कहा कि जिन जिन ज़िलो में निर्माण कार्य अधूरे पड़े है। उन्हें शीघ्र अति शीघ्र पूरे करवाये। कार्यकारी एजेंसी से नियमित मिलकर काम की गति बढ़वाये।खेलों इंडिया सेंटर्स की प्रगति की भी जानकारी हासिल की। उन्होंने राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा संचालित विभिन्न अकादमियों की सुविधाओं, परफॉरमेंस, डाइट, कोचिंग आदि पर भी विस्तार से चर्चा की तथा उनकी डाइट में बढ़ोतरी, ट्रांसपोर्टेशन अलाउंस आदि की सुविधा में इजाफ़ा करने के साथ साथ सभी अकेडमियों के लिये फिजियो एवं जयपुर में एक डाईटीशियन नियुक्त करने के निर्देश भी प्रदान किये।

डा. नीरज के. पवन ने सभी से कहा कि आप अपने अपने ज़िला शिक्षा अधिकारी से मिलकर सभी स्कूलों में गेम्स पीरियड में और कुछ नहीं तो कम से कम बच्चों की दौड़ करवाने का प्रयास करे। बच्चों को खेलों से जोड़े। इसके लिये शिक्षा सचिव, राजस्थान सरकार को भी लेटर लिखा जायेगा।

उन्होंने कहा कि अब से जो पार्ट टाइम कोचेस लगेंगे उनकी रोज़ मॉनिटरिंग की जाये। कोचिंग के फ़ोटोज़ अपलोड हो। जितने मैदान उपलब्ध है, उस आधार पर ही कोच लगेंगे। पहले चरण में सिर्फ़ ओलम्पिक खेल के एनआईएस, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व व राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी को ही लगायेंगे।

संक्षिप्त समाचार

तसीमों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर 21 सितंबर को

- जयपुर के 12 विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे निःशुल्क उपचार व दवाइयां

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) । सैपऊ उपखण्ड के तसीमों गांव में शहीद छत्तर सिंह पंचम सिंह सेवा समिति तसीमों के द्वारा डॉ. रामकेश सिंह परमार (गोल्डमेडलिस्ट) प्रोफेसर मेडिसिन जयपुर के नेतृत्व में राजधानी जयपुर के, दिल्ली एआईएमस, पीजीआई चंडीगढ़ और एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर से प्रशिक्षित डॉक्टर्स की टीम के द्वारा फ़ौजी गार्डन तसीमों में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच चिकित्सा परामर्श और दवा वितरण शिविर का आयोजन हो रहा है। कैम्प में हार्ट, डायबिटीज, एलर्जी, चर्म रोग, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जॉइंट रिप्लेसमेंट,कार्डियोलॉजी,ऑर्थो , ईएनटी ऑप्थो, लंगस लिवर, किडनी, ब्रेन, सर्जरी, महिला रोग आदि विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहेंगे। जिसकी तैयारी के किए फौजी गार्डन में शहीद समिति तसीमों पदाधिकारियों की मीटिंग का अयोजन कर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवम चिकित्सा शिविर के सफल आयोजन के लिए रूपरेखा तैयार की गई। इस मौके पर शहीद समिति अध्यक्ष मांगीलाल मित्तल, सरपंच प्रतिनिधि रामौतार फौजी, राधेश्याम परमार, डिंपल परमार, हरेंद्र सिंह परमार, रामवीर कुशवाह, सोनू पंच आदि सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। आमजन 21 सितंबर शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक फ़ौजी गार्डन तसीमों पहुँच कर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लें सकते है। वहीं सभी मरीजों से शिविर में अपनी पुरानी सभी जांचे अवश्य साथ में लेकर आने को कहा गया है।

पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता के नाम कनिष्ठ अभियंता को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। वैर(राजवीर सिंह)। कस्बे के बयाना गेट इलाके में वार्ड 16 की जाटव और हरिजन बस्ती में पेयजल की समस्या से परेशान लोगों ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता के नाम कनिष्ठ अभियंता रॉकी सैनी को ज्ञापन सौंपा है। वार्ड पार्षद कृपा जाटव ने बताया की वार्ड नंबर 16 बयाना गेट जाटव बस्ती और हरिजन बस्ती में विगत 15 दिनों से पानी की बहुत ज्यादा समस्या चल रही है। जिससे बस्ती वाले पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। जलदाय विभाग को फोन के जरिए काफी बार सूचित किया गया था। लेकिन कोई समाधान नहीं किया। गुरुवार को वार्ड 16 की महिलाओं व पुरुषों ने कनिष्ठ अभियंता रॉकी सैनी को ज्ञापन दिया और जल्द से जल्द समस्या से निजात कराने की मांग की है। गौरतलब है की जलदाय विभाग का डीपबोर बयाना गेट स्थित मोक्ष धाम में है। जिसमें रानी वाला बांध से पानी निकल कर भरा हुआ है। जिसके चलते खराब डीप बोर को सही नहीं करवाया जा रहा है। जलदाय विभाग द्वारा पानी के सूख जाने का इंतजार किया जा रहा है।

प्रदेश मीडिया विभाग ने किया वृक्षारोपण और श्रमदान।

- सत्ता का भोग नहीं,सेवा के संकल्प के साथ काम कर रहे है प्रधानमंत्री -प्रमोद वशिष्ठ

चमकता राजस्थान/जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हुए भारतीय जनता पार्टी के सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत प्रदेश मीडिया विभाग द्वारा वृक्षारोपण और श्रमदान किया गया।
प्रदेश संयोजक प्रमोद वशिष्ठ के नेतृत्व में शिप्रा पथ स्थित मोक्ष धाम में वृक्षारोपण और श्रमदान किया गया।
प्रमोद वशिष्ठ ने कहा कि सत्ता के भोग के लिए नहीं बल्कि सेवा के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री मोदी काम कर रहे है।
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हुआ यह सेवा पखवाड़ा गांधी जयंती तक चलेगा,इसमें देश भर में समाज सेवा के अनेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे है,इसी कड़ी में आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मीडिया विभाग की प्रदेश टीम के सदस्य,मंडल पदाधिकारी,स्थानीय पार्षद,व्यापार मंडल के अध्यक्ष, सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नई पर्यटन इकाई नीति जल्दी होगी लागू : दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व श्री रवि जैन की उपस्थिति में गुरुवार को पर्यटन भवन में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु पर्यटन विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं, अन्य घोषणाओं, ऱाइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 (09 से 11 दिसम्बर) के आयोजन से पूर्व 8 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित होने वाली प्री-समिट में पर्यटन विभाग की भूमिका के निर्वहन की कार्ययोजना पर चर्चा तथा पर्यटन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।
दिया कुमारी ने बैठक पश्चात मीडिया से बात करते हुए कहा कि ऱाइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन से पूर्व 8 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित होने वाली प्री-समिट में आने वाले स्टेकहोल्डर्स को बतायेंगे कि राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में अपार सम्भवनाएं हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उक्त समिट में राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के कई एमओयू किये जा सकेंगे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि आज बैठक में राजस्थान की नई पर्यटन (यूनिट पॉलिसी) इकाई नीति पर चर्चा की गई है। राजस्थान पर्यटन इकाई नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे जल्दी ही राज्य में लागू किया जाएगा।

दिया कुमारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में नम्बर एक राज्य बनाएं। राजस्थान में पर्यटन के विभिन्न अवसर हैं। हम राजस्थान में पर्यटन का बेहतरीन माहौल तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। ताकि यहां अधिक से अधिक संख्या में पर्यटक आएं। चाहे पर्यटक वेडिंग के लिए राजस्थान आएं चाहे रूरल ट्यूरिज्म के लिए आएं, चाहे इको ट्यूरिस्म के लिए आएं, चाहे वो वाइल्ड लाइफ ट्यूरिस्म लिए आएं या फिर घूमने फिरने के लिए आएं। हम चाहते हैं कि राजस्थान आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों को शानदार पर्यटन अनुभव मिले। उन्हें यहां सभी आवश्यक और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिले, सुरक्षा मिले, सफाई मिले इसके लिए काम किया जा रहा है। जयपुर शहर की चार दिवारी की विरासत को संरक्षण और यहां पर्यटन विकास के लिए मैंने अभी पिछले दिनों दौरा भी किया है। हम यूडीएच, विद्युत विभाग तथा अन्य विभागों के साथ समन्वय से जयपुर और राजस्थान में पर्यटन की बेहतरीन सुविधाएं विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं।
बैठक में पर्यटन आयुक्त विजय पाल सिंह, राजस्थान पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती सुषमा अरोड़ा, निदेशक पुरातत्व विभाग पंकज धरेन्द्र, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन राकेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी संयुक्त निदेशक (निवेश) पवन कुमार जैन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पेरिस पैरा ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल को दी बधाई

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने झोटवाड़ा, जयपुर में एकलव्य स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी द्वारा आयोजित 'सम्मान समारोह' में उपस्थित होकर पेरिस पैरा ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।
समारोह में श्री श्री 1008 महंत श्री विष्णु दास जी महाराज, खेतड़ी विधायक धर्मपाल सिंह गुर्जर,बॉलीवुड अभिनेता जितेंद्र सिंह जादौन, पार्षद-38 सुमेर सिंह जोधा, चेयरमैन/पार्षद दुर्गेश नंदनी,पार्षद मीनाक्षी एवं विरेंद्र सिंह ,कोच योगेश सिंह शेखावत, शशांक किराना, सतपाल सिंह राठौड़, महिपाल सिंह,विमलेश कंवर और समस्त एकेडमी के अन्य सदस्य और प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

बसेड़ी-सैपऊ मार्ग पर यातायात प्रभावित।

चमकता राजस्थान /धौलपुर (रामदास तरुण)। बसेड़ी उपखंड के गांव महू गुलावली में सडक काटकर पानी की निकासी की जा रही है। पांच दिन बाद भी उक्त स्थानों पर पाइप नहीं डाले गए हैं। शिकायत के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बसेड़ी से धौलपुर वाया सैपऊ यह एकमात्र सडक है! जिसके द्वारा बसेड़ी की लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायतों के नागरिक जिला मुख्यालय तक आते-जाते हैं। इस मार्ग पर संचालित एकमात्र #रोडवेज बस भी बंद है।

स्वच्छता श्रमदान झ थाना बाड़ी सी.आई. शिव लहरी मीना ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) । जिला धौलपुर के बाड़ी उपखण्ड में स्वच्छता पखवाड़े के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों के क्रम में आज दिनांकः- 19/09/2024 को कुशवाह फाउंडेशन, राष्ट्रीय सेवा योजना,वार्ड 26 के पार्षद एवं आमजनो ने मिलकर गाँधी पार्क एवं गुरु की बगिया मे सफाई श्रमदान किया, अनावश्यक उग आये/बड़े हुए पौधों की कटिंग, परिसर क्षेत्र मे पड़े हुए कागज, पॉलीथिन आदि को साफ किया गया।
कार्यक्रम के शुरुआत मे थाना कोतवाल शिवलहरी मीणा ने स्वच्छता के महत्त्व को बताते हुए आमजन से स्वच्छता बनाये रखने की अपील की। वार्ड पार्षद आकाश यादव ने बताया की शहर की सार्वजनिक स्थानों पर सप्ताह मे एक बार एकत्रित होकर हमें कम से कम 2 घंटे अवशय श्रमदान करना चाहिए। कुशवाह फाउंडेशन के अध्यक्ष रिंकू कुशवाह ने जानकारी देते हुए बताया की हमें अपने घरों की तरह ही अपने शहर की सफाई का ध्यान रखना चाहिए। बीमारियों से बचना है तो स्वच्छता अवशय अपनानी होगी।
कार्यक्रम मे सी.आई. कोतवाल शिवलहरी मीना ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई एवं अपने जीवन मे चरितार्थ करने की अपील की। इस मौके पर नगर पालिका के एम आई एस इंजीनियर विवेक मीना, टीम बेसिक्स सिटी इंचार्ज हरिसिंह राजपूत, किशोरी भटेले, सतीश गुर्जर, कवित सारस्वत,प्रमोद सारस्वत सहित कुशवाह फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे।

आरक्षण से छेड़छाड़ के राहुल गांधी के मंसूबों को अपने लाभ के लिए छुपा रहे है जुली: गोठवाल

चमकता राजस्थान

- दुर्भाग्य है कि अपने लाभ के लिए समाज को दरकिनार कर आरक्षण के हक से खिलवाड़ करने को तैयार है विपक्षी नेता - गोठवाल

जयपुर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा विदेशी धरती पर भारत में आरक्षण को समाप्त किए जाने संबंधित बयान का कांग्रेस के राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं द्वारा बचाव किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।
भाजपा के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि आरक्षण से छेड़छाड़ के राहुल गांधी के मंसूबों को अपने लाभ के लिए जुली सहित कांग्रेस के नेता छुपा रहे है। दुर्भाग्य है कि वे अपने लाभ के लिए अपने ही समाज को दरकिनार कर आरक्षण के हक से खिलवाड़ करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो अपने व्यक्तिगत हितों के लिए अपने नेता की झूठी जयकार के लिए समाज की अनदेखी करते है ऐसे लोगों को समाज सबक सिखाएं ।
भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलितो और पिछड़ों की विरोधी रही है। क्या कारण है कि नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक हमारे आरक्षण के अधिकार को छिनने की वकालत की जाती है। उन्होंने कहा कि ना आरक्षण से कांग्रेस को खिलवाड़ करने देंगे और ना ही राहुल गांधी के मंसूबों को कामयाब होने देंगे।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक सौन्दर्य में निखार लाने में सार्थक कदम एक पेड़ मां के नाम अभियान - वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री

चमकता राजस्थान/जयपुर!(खलील कुरैशी) 19 सितम्बर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को अलवर जिले के नगर वन में एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।मंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संचालित किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक सौन्दर्य में निखार लाने में सार्थक भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान जन-जन का अभियान है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने डीएफओ को निर्देश दिये कि नगर वन में लगाए गए पौधों का बेहतर तरीके से रख-रखाव करने के साथ साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने निर्देश दिये कि बायोलोजिकल पार्क को प्रकृति के अनुकूल विकसित कराया जाए।

नेता प्रतिपक्ष का बयान आरक्षण विरोधी: मीणा

चमकता राजस्थान/जयपुर। कांग्रेस प्रारम्भ से ही आरक्षण विरोधी रही है और यह बात आज नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली के बयान से एक बार फिर साबित हुयी है। भाजपा प्रवक्ता पंकज मीणा ने कहा कि प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू ने संसद के पटल पर कहा था कि वे सरकारी नौकरी में आरक्षण के खिलाफ है उनके बाद इंदिरा गांधी के लगाकर राजीव गांधी और अब यही मंशा कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने अमेरिका में जा कर प्रकट की है।

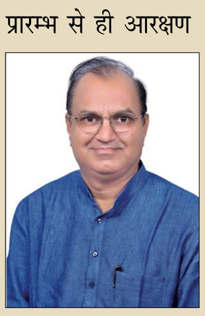

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आरक्षण समाप्त करने के बयान का ही आज समर्थन करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने भी आरक्षण समाप्त करने की बात कहकर जता दिया कि कांग्रेस आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के आरक्षण संबधी अधिकार पर डाका डालने की मंशा रखती है। प्रवक्ता मीणा ने कहा कि एक ओर कांग्रेस आरक्षण के हमारे अधिकार को छिनना चाहती है वहीं दुसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार नहीं कई बार कहा कि वे आरक्षण पर लेश मात्र भी आंच नहीं आने देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के आदिवासी, दलितों के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए अपने कार्यकाल में सर्वाधिक मंत्री बनाये और आदिवासियों व दलितों के उत्थान की कई योजनाएं प्रारम्भ की है और इसी का परिणाम है कि दलित, आदिवासी अब मुख्य धारा में आ रहे है।

4 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

कोल्ड स्टोरेज लगाने के लिए 1 करोड़ 40 लाख रूपये तक का अनुदान

चमकता राजस्थान

जयपुर, 19 सितम्बर। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा कृषक उद्यमी या कृषक समूह को कोल्ड स्टोरेज बनाने पर अधिकतम 1 करोड़ 40 रुपये तक का अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।उन्होंने बताया कि आवेदनकर्ता 4 अक्टूबर तक सम्बन्धित जिले के उद्यानिकी विभाग कार्यालय में आवेदन कर अनुदान का लाभ ले सकते हैं। गालरिया ने गुरूवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में राजस्थान हॉर्टिकल्चर डवलपमेन्ट सोसायटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोल्ड स्टोरेज पर राष्ट्रीय हॉर्टिकल्चर मिशन योजनान्तर्गत 250 मेट्रिक टन से लेकर अधिकतम 5 हजार मेट्रिक टन का कोल्ड स्टोरेज बनाने पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। कोल्ड स्टोरेज बनाने पर इकाई लागत का 8 हजार रूपये प्रति मेट्रिक टन से गणना कर अधिकतम 5 हजार मेट्रिक टन पर इकाई लागत का 35 प्रतिशत या अधिकतम 1 करोड़ 40 लाख रूपये का अनुदान दिया जाता है।
बैठक में कोल्ड स्टोरेज व हाईटेक नर्सरी स्थापना के परियोजना प्रस्तावों का पीपीटी केमाध्यम से प्रस्तुतीकरण भी किया गया। बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमारओला, प्रबन्ध निदेशक राजस्थान राज्य बीज निगम श्रीमती निमिषा गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक उद्यान के.सी. मीना, सहायक निदेशक रामचन्द्र जीतरवाल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एमटेक होल्डर अंतर्राज्यीय वाहन चोर अकील अहमद को मिली सशर्त जमानत

- अधिवक्ता श्री कान्त मीणा ने करी थी सशक्त पैरवी
- तीन लग्जरी कारों के साथ किया गया था गिरफ़्तार

चमकता राजस्थान । जयपुर(खलील कुरैशी) चन्द्र प्रकाश श्रीमाली सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर-द्वितीय ने सशर्त आदेश जारी किया गौरतलब है कि प्रार्थी/अभियुक्त अकील अहमद की आरे से प्रस्तुत जमानत आवेदन अन्तर्गत धारा 439 दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों में स्वीकार कर आदेश दिया जाता है कि यदि प्रार्थी/अभियुक्त निम्नलिखित शर्तों के अधीन 50,000/- अक्षरे पचास हजार रूपये का स्वयं का बन्ध पत्र व 25,000-25,000/- अक्षरे पच्चीस-पच्चीस हजार रूपये की दो जमानतें विचारण न्यायालय के समक्ष सन्तोषप्रद प्रस्तुत कर तस्दीक करावे कि(1) वह अपना पूर्ण पता व मोबाईल नंबर विचारण न्यायालय व अनुसंधान अधिकारी को उपलब्ध करावे तथा इस आशय की अण्डरटेकिंग प्रस्तुत करें कि वह प्रकरण का विचारण पूर्ण होने तक प्रत्येक पेशी पर न्यायालय में(2) उपस्थित होकर विचारण में पूर्ण सहयोग करेगा एवं मोबाईल नंबर व पता परिवर्तित होने की दशा में अविलम्ब अनुसंधान अधिकारी / विचारण न्यायालय को सूचित करेगा।इस प्रकरण के तथ्यों से अवगत किसी भी व्यक्ति को न्यायालय या किसी पुलिस अधिकारी के समक्ष ऐसे तथ्यों को प्रकट ना करने के लिए मनाने के वास्ते प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः उसे कोई उत्प्रेरणा, प्रलोभन या धमकी नहीं देगा।(3)वह अपराध की पुनरावृत्ति नहीं करेगा एवं बिना न्यायालय की अनुज्ञा के भारत नहीं छोडेगा।तो उसे इस प्रकरण में जमानत पर रिहा कर दिया जाये।

प्रकरण का संपूर्ण विवरण

न्यायालय :- सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर-द्वितीय

पीठासीन अधिकारी- चन्द्र प्रकाश श्रीमाली, फखर (ऊख उअऊ्रए),जमानत आवेदन पत्र संख्या 2356/2024,अकील अहमद पुत्र अजीज अहमद, उम्र 43 साल, निवासी रानीका थाना सदर नूंह जिला नूंह, हरियाणा।बनाम राजस्थान सरकार जरिए लोक अभियोजक जमानत आवेदन अंतर्गत धारा 439 दंड प्रक्रिया संहिता प्र सूरि संख्या 206/2024 पुलिस थाना वैशाली नगर जयपुर अपराध अन्तर्गत धारा 379 भारतीय दण्ड संहिता :-(1). श्रीकान्त मीणा अधिवक्ता प्रार्थी / अभियुक्त की ओर से(2).सन्त कुमारजैन,लोकअभियोजक-राज्य सरकार की ओर से। उल्लेखनीय है कि वैशाली नगर थाना पुलिस ने शनिवार को अन्तर्राज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन लग्जरी कार बरामद की है। पुलिस पूछताछ में गिरोह के सदस्यों ने राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली में वाहन चोरी की एक दर्जन से अधिक वारदात करनी स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपी अकील अहमद (43) नूंह हरियाणा का रहने वाला है। अकील अहमद एमटेक किया हुआ है।

हैरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर सहित चार जनो के खिलाफ एसीबी ने पेश की चार्जशीट

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। हेरिटेज नगर निगम में भ्रष्टाचार के मामले में अपराध निरोधक ब्यूरो ने कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया है।एसीबी ने 4 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश की है। जिसमें मेयर मुनेश गुर्जर, उनके पति सुशील गुर्जर, नारायण और अनिल शामिल हैं।

हालांकि इस दौरान मेयर मुनेश गुर्जर कोर्ट नहीं पहुंची उन्होंने इसकी वजह खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया है जिसके लिए कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र भी पेश किया था। मुनेश ने पीठ दर्द के कारण 7 दिनों के बेड रेस्ट का हवाला दिया है। स्वायत्त शासन विभाग ने 11 सितंबर 2024 को एक नोटिस जारी किया गया था। जिसके लिए मुनेश गुर्जर को तीन दिन में जवाब देने का समय दिया गया था। वहीं मुनेश गुर्जर के निलंबन को लेकर बता दें मुनेश गुर्जर एक दिन पहले यानी 17 सितंबर को एक बार फिर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वह हाईकोर्ट की शरण में जाकर अपना बचाव करने की कोशिश कर रही हैं। मुनेश गुर्जर ने कहा कि यह 'कार्रवाई राजनीतिक द्वेषता से प्रेरित है'। अब आने वाले दिनों में इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में होगी। हालांकि एसीबी द्वारा 19 सितंबर को चार्जशीट पेश करने के दौरान मुनेश को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद वो कोर्ट नहीं पहुंचीं।18 सितंबर को फैसला किया जाना था। लेकिन स्वायत्त शासन विभाग ने मेयर मुनेश गुर्जर को एक बार फिर नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। अब मुनेश गुर्जर का निलंबन फिर से तीन दिन के लिए टल गया है। लेकिन स्वायत्त शासन विभाग की नोटिस से यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा नाराज हो गए थे।

घुमन्तु, अर्ध घुमन्तु जनजातियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ेगी सरकार

शिक्षा मंत्री ने विमुक्त, घुमन्तु, अर्ध घुमन्तु जनजातियों से किया संवाद

स्वतंत्रता आंदोलन में घुमन्तु जनजातियों का योगदान अविस्मरणीय :-शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 19 सितम्बर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को विमुक्त, घुमन्तु और अर्ध-घुमन्तु जनजातियों के सदस्यों से कोटा में संवाद किया। उन्होंने कहा कि इन जनजातियों का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान है और स्वतंत्र भारत इनके योगदान का सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने घुमन्तु जनजातियों के उज्ज्वल इतिहास की प्रशंसा की और कहा कि इनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार गंभीर और संवेदनशील है।मंत्री दिलावर ने संवाद के दौरान घुमन्तु और अर्ध-घुमन्तु जनजातियों से व्यक्तिगत रूप से उनकी समस्याएं सुनीं। संवाद में सामने आया कि अधिकतर प्रसव घरों पर होते हैं,

जिससे जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में कठिनाई होती है। इस पर मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों का नियमित सर्वेक्षण कराया जाता है, जिससे इन समुदायों को सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा घुमंतु, अर्ध घुमंतू जनजातियों के जिन लोगों के पास आवासीय भूखंड नहीं है, सरकार उनको रियायती दरों पर भूखंड दिलवाना सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि परिचय पत्र के अभाव में घुमंतु, अर्ध घुमंतू जनजातियों के लोगों को महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता जो की बेहद दुखद है। उन्होंने कहा की घुमंतु, अर्ध घुमंतु जनजाति के लोग भारत के सम्माननीय नागरिक हैं एवं उनको हर योजना का लाभ मिलना चाहिए । उन्होंने कहा कि इसके लिए पहचान पत्र बनाने संबंधी विभिन्न कार्यों को गति दी जा रही है ताकि यह सुविधा घुमंतू जनजातियों को सरलता से उपलब्ध हो सके जिससे उनका जीवन सरल एवं सुगम बन सके उन्होंने यह भी कहा कि वन विभाग की जमीन पर पट्टे देना संभव नहीं है लेकिन अन्य स्थानों पर इन जनजातियों को पट्टे देने का काम किया जाएगा। जाति प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही कठिनाइयों पर मंत्री ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि घुमन्तु और अर्ध-घुमन्तु जनजातियों के प्रमाण पत्र समय पर दिए जाएं। दिलावर ने कहा कि प्रदेश सरकार इन समुदायों को मुख्यधारा में लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में हाड़ौती क्षेत्र के कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ से कालबेलिया, रायका, नट, बंजारा, कंजर आदि जनजातियों के लगभग 1500 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रभुलाल कालबेलिया, कालूलाल बंजारा, गाडिया लौहार प्रमुख घासीलाल,डॉ. विपिन योगी, लक्ष्मण सिंह राइका, जगदीश बागरी, रामगोपाल भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

सार्वजनिक निर्माण विभाग में डीपीसी के दो माह बाद भी अभियंता कर रहे अपने पदस्थापन का इंतज़ार

चमकता राजस्थान

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में डीपीसी के बाद पदस्थापन आदेश जारी

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पदोन्नति के बाद अब पदस्थापन आदेश जारी कर दिए गए हैं लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग में पदोन्नति होने के दो माह बाद भी अभियंता अपने पदस्थापन का इंतज़ार कर रहे हैं मिली जानकारी के अनुसार उच्चाधिकारियों की आपसी खींचतान के चलते यह पदस्थापन आदेश जारी नहीं हो पा रहे हैं। इनमें से कुछ अभियंताओं की सेवानिवृत्ति नज़दीक होने के कारण वे पदोन्नति होने के बावजूद नवीन पद पर नियुक्त नहीं हो पा रहे हैं उन्हें डर है कि कहीं पदस्थापन से पूर्व ही उनकी सेवानिवृत्ति न हो जाए जैसे की पूर्व में एक अभियंता को मात्र एक दिन के लिए मुख्य अभियंता के पद पर नियुक्त किया गया था !

डीपीसी में चयनितों को पदस्थापन में विलंब से अभियंताओं में नाराजगी है।

68वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का समापन

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ने किया खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 19 सितम्बर। सिरोही जिले में आयोजित 68वीं जिला स्तरीय योग एवं वुशु प्रतियोगिता का समापन समारोह गुरूवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री ने सभी खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया तथा कहा कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए तन और मन दोनो का स्वस्थ्य होना बहुत ही आवशयक है इसलिए खेल

जीवन की महत्वपूर्ण इकाई है। उन्होंने सभी छात्रों को सदैव खेल भावना का सम्मान करने एवं प्रत्येक कार्य को पूर्ण मेहनत के साथ करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने विजेता खिलाडियों को शील्ड व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया।इस दौरान अधिकारियों, भामाशाह सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 58 से अधिक प्रकरणों में हुई सुनवाई

चमकता राजस्थान

कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्र बंसल)। 19 सितंबर। राज्य सरकार की मंशानुरूप त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने यह बात गुरुवार को पंचायत समिति कोटपुतली के वीसी कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कही। इस दौरान सभी उपखंडों से सभी उपखंड अधिकारी तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीसी के माध्यम से जुड़े । जिला कलेक्टर

कल्पना अग्रवाल ने परिवादी की समस्या को एक-एक कर सुनवाई करते हुए परिवाद से संबंधित अधिकारी से मौके पर ही फीडबैक लेकर समस्या के समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई के तुरंत बाद जिला कलेक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को वीसी के माध्यम से निर्देश देते हुए कहा

- **संतुष्टि स्तर में वृद्धि के लिए हल हुए प्रकरणों के बारें में परिवादीयों को करें सूचित**

कि सभी अधिकारी प्रकरणों की प्रतिदिन संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा संतुष्टि के स्तर में सुधार लाने के लिए परिवादीयों से फोन पर बात करके उन्हें फोटो तथा दस्तावेजों के साथ हल किए हुए प्रकरण के बारे में सूचित जरूर करें जिससे संतुष्टि के स्तर में सुधार हो सके।जनसुनवाई के दौरान पेयजल, बिजली, रास्ता खोलने, भूमि विवाद, अतिक्रमण हटवाने, सड़क मरम्मत, अवैध निर्माण, अवैध खनन, चारागाह भूमि से अवैध शराब ठेके को हटाना, सड़क निर्माण,सीमा ज्ञान, पीएम किसान निधि किस्त का भुगतान सहित विभिन्न जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए सम्बंधित विभागों को शीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिये गए।इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओम प्रकाश सहारण, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई

झालावाड़ से तस्करी कर जयपुर अफीम ला रहे तस्कर को सदर थाने के सामने पकड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 19 सितम्बर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने ट्रेन द्वारा झालावाड़ से मादक पदार्थ अफीम लेकर जयपुर पहुंचे तस्कर गोपाल डोली पुत्र रामलाल (27) निवासी गुराडिया जोगा थाना मिश्रौली (जिला झालावाड़) को सदर थाने के सामने दबोच लिया। आरोपी के पास से 1 किलो 760 ग्राम अफीम बरामद की गई।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश

एमएन ने बताया कि इनामी अपराधियों व अवैध मादक पदार्थो के तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई एवं उनके बारे में आसूचना संकलन के लिए डीआईजी योगेश यादव व

एक किलो 760 ग्राम अफीम बरामद, पूछताछ जारी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में अलग अलग टीमें गठित की गई है। सब इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, नरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, कमल सिंह, महावीर सिंह शेखावत एवं कांस्टेबल नरेश कुमार, सोहन देव व सुरेश कुमार की एक टीम जयपुर, जोधपुर और कोटा रेंज रवाना की गई थी। आसूचना संकलन के दौरान टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल महेश सोमरा को सूचना मिली कि एक व्यक्ति झालावाड़ से ट्रेन में मादक पदार्थ लेकर जयपुर आ रहा है। इस पर सूचना को विकसित किया गया।सूचना पुख्ता होने पर सदर थाना पुलिस को सूचित किया गया। सूचना के अनुसार एक व्यक्ति सदर थाने के सामने बैग के साथ नजर आया। जिसे स्थानीय पुलिस की मदद से पकड़ा तो उसने अपना नाम गोपाल डोली निवासी झालावाड़ बताया। आरोपी के पास मिले बैग को चेक किया तो उसमें 1 किलो 760 ग्राम अफीम मिली। एनडीपीएस एक्ट में आरोपी को सदर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिससे मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त एवं इनके नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।इस संपूर्ण कार्रवाई में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा की महत्वपूर्ण भूमिका तथा एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, कमल सिंह, महावीर सिंह शेखावत, कांस्टेबल नरेश कुमार, सोहनदेव व सुरेश कुमार का सहयोग रहा। टीम का कुशल नेतृत्व सब इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर द्वारा किया गया।

थाना प्रतापगढ़ पुलिस की कार्रवाई :

50 हजार रुपये इनामी गिरफ्तार, एनडीपीएस मामले में एक साल से था फरार

चमकता राजस्थान

जयपुर/प्रतापगढ़, !(खलील कुरैशी)19 सितम्बर। जिले की प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस के मामले में करीब एक साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी सैफुल्ला पुत्र माकूल शेख (24) निवासी बसाड थाना प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध जिला प्रतापगढ़ व जोधपुर एवं मध्य प्रदेश के जावद थाने में आर्म्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट के 9 मुकदमे दर्ज है।कार्यवाहक एसपी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि 24 अक्टूबर 2023 को प्रतापगढ़ पुलिस ने 34 किलो 750 ग्राम अफीम डोडा चूरा सहित आरोपी पुनाराम जाट पुत्र ढकला राम (23) निवासी दांतीवाड़ा थाना डांगियावास जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया था। मामले में घटना के वक्त से ही आरोपी सैफुल्ला फरार हो गया। जिसकी तलाश के लिए आईजी रेंज बांसवाड़ा द्वारा 50 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की गई।बुधवार को एसएचओ तेजकरण चारण को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी सैफुल्ला हनुमान नगर की तरफ

घूम रहा है और बाहर जाने की फिराक में है। सूचना पर जिले में वांछित अपराधियों की धर पकड़ अभियान के तहत वृताधिकारी हेरम्ब जोशी के सुपरविजन एवं एसएचओ तेजकरण चारण के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा हनुमान नगर पहुंच आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी में कांस्टेबल रमेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने दोहा इन्वेस्टर रोड शो में भाग लिया

प्रतिनिधिमंडल ने कतर सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की

चमकता राजस्थान

जयपुर,! (खलील कुरैशी) 19 सितंबर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के संयुक्त अरब अमीरात अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर रोड शो के बाद गुरूवार को कतर की राजधानी दोहा में इन्वेस्टर रोड शो का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान सरकार की ओर से उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री एवं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने कतर सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी मोहम्मद बिन हसन अल मल्क से भी मुलाकात की और कतर सरकार के प्रतिनिधियों को दिसंबर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। कतर दौरे में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सीडीसी और कतर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें राजस्थान के रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स, रिन्यूएबल एनर्जी, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी, पर्यटन, स्टार्टअप, माइनिंग और ईएसडीएम/आईटी और आईटीईएस जैसे क्षेत्रों के बारे में बताते हुए प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित किया। दोहा इन्वेस्टर रोड शो में निवेशकों को संबोधित करते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, ''प्रदेश की बेहतरीन भौगोलिक स्थित और प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के मध्य राजस्थान व्यापार के लिए सबसे अनुकूल गंतव्यों में से एक के रूप में उभर रहा है। हमने कई सरकारी नीतियों, नियमों और दिशानिर्देशों को या तो बदल डाला है या बदलने की दिशा में हैं ताकि राज्य में व्यापार और कारोबार जगत के अनुरूप माहौल बन सके और राज्य में व्यापार करना ज्यादा आसान हो। हमारे अंदर राजस्थान को विकसित राज्य बनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति है और यह इस बात से ही स्पष्ट है कि अपने पहले ही साल में हमने ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया है, ताकि हम केवल एमओयू न साइन करें बल्कि उन्हें धरातल पर उतार कर वास्तविक परियोजनाओं में बदल सकें। हमारा एक और बड़ा फोकस व्यवसाय करने की लागत को कम करने पर है, ताकि राजस्थान को कॉस्ट कॉम्पिटिटिव राज्य बनाया जा सके।'' रोड शो में निवेशकों को संबोधित करते हुए कतर में भारत के राजदूत विपुल ने कहा, ''राजस्थान सरकार 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के जरिए कतर के साथ राज्य के सहयोग का एक नया अध्याय लिखने की कोशिश कर रही है। राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे आर्थिक और नीतिगत सुधारों के मद्देनजर मैं कतर के निवेशकों और व्यापारिक समुदाय से राजस्थान का दौरा करने का आग्रह करता हूं। कतर में मौजूद भारतीय दूतावास राजस्थान और कतर के कारोबारी जगत के बीच एक सूत्रधार की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित है।''इस इन्वेस्टर रोड शो में प्रेजेंटेशन देते हुए ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन के एडिशनल कमिश्नर (इन्वेस्टमेंट) सौरभ स्वामी ने कहा, ''राजस्थान सरकार का लक्ष्य अगले पांच सालों में 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और अगले कुछ वर्षों में अपने निर्यात को दोगुना करना है। हमारे लिए कतर के रियल एस्टेट, एग्रीटेक, नेचुरल गैस, लॉजिस्टिक्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे क्षेत्र और इन उद्योगों की विशेषज्ञता और संसाधन बहुत महत्व रखते हैं। वन-स्टॉप शॉप, सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, सुव्यवस्थित विनियामक व्यवस्था, डिजिटलीकृत जीआईएस-सक्षम औद्योगिक भूमि डेटाबेस और कई तरह के फिस्कल इंसेंटिव्स के माध्यम से हम कतर के व्यापारिक समुदाय के साथ एक अच्छी और दीर्घकालिक साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं।''कतर से पहले उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच के रूप में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की थी।

इस प्रतिनिधिमंडल में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के अलावा, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. जोगा राम, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन के एडिशनल कमिश्नर (इन्वेस्टमेंट) सौरभ स्वामी और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। दोहा में आयोजित इस इन्वेस्टर रोड शो के साथ ही 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का संयुक्त अरब अमीरात और कतर में होने वाले रोड शो का यह चरण समाप्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राज्य सरकार देश और दुनिया के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, ताकि देशी-विदेशी निवेशकों और संस्थाओं को प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित किया जा सके। इसके तहत हाल ही में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया और जापान का दौरा किया था और मुख्यमंत्री की इस यात्रा के दौरान कई दक्षिण कोरियाई और जापानी कंपनियों और संस्थाओं ने राजस्थान में कारोबार करने में रुचि दिखाई थी।

वन नेशन, वन इलेक्शन उलझाने के लिए पीएम मोदी का खिलौना : कमलनाथ

छिंदवाड़ा/एजेंसी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वन नेशन, वन इलेक्शन' पर कोविंद समिति की सिफारिशों को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार के इस कदम को लेकर सियासत तेज हो चली है। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने इस प्रस्ताव पर ऐतराज जताया है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने कहा कि, पीएम मोदी के पास कुछ बचा नहीं है। इसलिए वो इस तरह के कदम उठा रहे हैं। वो केवल और केवल राहुल गांधी की झूठी आलोचना कर रहे है। मैं नहीं मानता कि वन नेशन, वन इलेक्शन प्रैक्टिकल तरीके से लागू हो पाएगा। मान लीजिए इस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आ जाए और लोकसभा को भंग करनी पड़े तो वो क्या करेंगे। ये सबको उलझाने के लिए पीएम मोदी का एक खिलौना है। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लेकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने 14 मार्च 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। समिति का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। समिति ने 191 दिन तक राजनीतिक दलों तथा विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा के बाद 18,626 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार (18 सितंबर) को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कोविंद समिति की सिफारिशों को मंजूरी मिली।

वहीं वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव की मंजूरी के बाद कांग्रेस नेता और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत कहा कि, ये व्यावहारिक नहीं है। क्या चुनी हुई राज्य सरकार को गिराया जाएगा? इस मुद्दे पर भाजपा के लोग ही बवाल मचाएंगे। चुनावी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ये चीजें लगातार की जाती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि चुनावी मुद्दे अभी बेरोजगारी, महंगाई और असामाजिक असमानता है। तंज कसते हुए आगे कहा कि भाजपा के कुछ नफरती चिंटू हमारे नेता राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा और नफरत की बात कर रहे हैं, उससे देश में आक्रोश है और इससे ध्यान भटकाने के लिए इसको लाया गया है। ये हॉट एयर बैलून हैं, जो समय-समय पर छोड़े जाते हैं।

राहुल के विरूद्ध भाजपा व शिवसेना नेताओं का बयान अपमानजनक : सीएम सुक्खू

शिमला/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं वरिष्ठ कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के विरूद्ध भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना नेताओं की अपमानजनक और अनुचित भाषा शैली की कड़ी निंदा की। सुक्खू ने पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं की इस तरह की अपमानजनक बातें भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ठेस पहुंचाती हैं। इस मामले में भाजपा हाईकमान को हस्तक्षेप करना चाहिए तथा ऐसी टिप्पणियों के लिए जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

सुक्खू ने कहा,मैं व्यक्तिगत तौर पर और हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से श्री राहुल गांधी के खिलाफ इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा की कड़ी भर्त्सना करता हूं। श्री राहुल गांधी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और देश के सम्मानित नेताओं में शुमार हैं। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा देश में सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ कर रही है। श्री राहुल गांधी भाजपा नेतृत्व की केंद्र सरकार की तानाशाह नीतियों से त्रस्त लाखों लोगों की आवाज को बुलंद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार में राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू जब कांग्रेस पार्टी से सांसद थे, तो वह श्री राहुल गांधी के प्रशंसक रहे, लेकिन सत्ता में आने के लिए उन्होंने नैतिक मूल्यों से समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा कि श्री बिट्टू केवल अपने निजी स्वार्थ और भाजपा में अपनी छवि और स्थान को बनाए रखने के लिए तथा राज्यसभा सांसद बने रहने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। उन्होंने जनकल्याण की भावना को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक परिदृश्य में शब्दों की गरिमा को बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सुक्खू ने कहा कि राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के मध्य शांति और सद्भावना का संदेश दिया है। वह भाजपा सरकार की जनविरोधी और दमनकारी नीतियों के विरूद्ध लगातार आवाज उठा रहे हैं। देश में श्री राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता भाजपा नेताओं को रास नहीं आ रही है। इसलिए वह मीडिया में बने रहने के लिए उनके खिलाफ असंसदीय और अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के लोगों को भारत की अखंडता के लिए किए गए गांधी परिवार का बलिदान याद है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के देश की शांति तथा अखंडता के लिए दिए गए बलिदान को पूरा विश्व जानता है। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा नेताओं को इस तरह के हथकंडे अपनाने से बचने की सलाह देते हुए कहा कि श्री राहुल गांधी देश के गरीबों और वंचितों के नेता है, जिनके साथ आज पूरा देश खड़ा है। इस अवसर पर उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक सुरेश कुमार, मलेन्द्र राजन, नीरज नैयर, विवेक शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार नरेश चौहान और कांग्रेस नेता सुरेन्द्र मनकोटिया भी उपस्थित थे।

अब्दुल शकूर कादरी हुए फिर से बूंदी शहरकाजी

गुलाम गोस को किया गया कार्यमुक्त

शादी में डीजे की पाबंदी, निकाह की 1100 रुपए फीस होगी

चमकता राजस्थान

बूंदी- (राजकुमार राठौड)बूंदी- पीरजादा अब्दुल शकूर कादरी फिर से बूंदी शहरकाजी होंगे। कार्यवाहक शहरकाजी गुलाम गोस को उनके पद से कार्यमुक्त कर दिया गया है। शहर के आजाद पार्क के सामने स्थित कादरी कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए काजी काउंसिल के सरपरस्त अब्दुल शकूर कादरी ने जानकारी देते हुए बताया कि लोगों से मिल रहे हैं फीडबैक के आधार पर कार्यवाहक शहर काजी गुलाम गोस को उनके पद से कार्य मुक्त किया गया है। शहरकाजी पहले में ही था लेकिन मैंने उन्हें अपनी कज्जात संभलाई हुई थी। 5 साल पूर्व कुम्भा स्टेडियम में आयोजित हुए मुस्लिम समाज के सम्मेलन में शहर काजी पद की कुछ शक्तियां देते हुए नायब काजी गुलाम गोस को अपना कार्यवाहक पद संभलाया था और उनसे समाज को नई दिशा देने की उम्मीद की थी लेकिन 5 साल बाद जब उनके कार्यकालों की समीक्षा की गई तो वह कई मोर्चों पर खतरे नहीं उतरे। जिस पर मैंने उन्हें पद से कार्य मुक्त करने की इच्छा जताई। उन्होंने पत्रकारों और जिला प्रशासन से अपील की है कि शहर काजी शब्द का गलत इस्तेमाल करने वाले लोगों को चिन्हित किया जाए ताकि बे वजह इस पद को बदनाम नहीं जावे। शहरकाजी

नियम तोड़ने वालो पर होगी कार्रवाई : कादरी

अब्दुल शकूर कादरी ने कहा की पिछले 50 सालों से मेरे पिता चमन कादरी बूंदी शहर काजी पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने समाज को नई दिशा देने का काम किया। पिछले 15 सालों से में बूंदी शहर काजी रहते हुए समाज को एकजुट करने का काम कर रहा हूं। कुछ लोगों का यही काम होता है कि वह विरोध करें मेरे पिता जब शहर काजी हुआ करते थे तब भी उनका लोग विरोध करते थे और आज मैं शहरकाजी हूं तब भी लोग मेरा विरोध कर रहे हैं मुझे अपना काम करना है। समाजो को लड़ाने वाले लोगों को सबक सिखाना है ताकि हमारे देश में आपसी भाई चारा बना रहे।

शादी में डीजे की पाबंदी, निकाह पढ़ाया तो मौलाना का रजिस्ट्रेशन रद्द शहर काजी का पद वापस संभालने के बाद अब्दुल शकूर कादरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पूर्व में जब शहर काजी था तब शरीयत के अनुसार शादी में डीजे की पाबंदी लगाई थी अब वापस से जब अपना पद संभाल रहा हूं तो मैं समाज बंधुओ से निवेदन करना चाहता हूं कि वह निकाह में डीजे नहीं बजाये। यदि कोई डीजे बजाएगा तो संबंधित निकाह में कोई भी मौलाना या काजी निकाह नहीं करवाएंगे। यदि नियम तोड़ने की जानकारी मेरे पास आई तो संबंधित मौलाना या काजी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दूंगा। उन्होंने कहा की शादी में अमन चैन होना चाहिए मुस्लिम समाज में शरीयत के अनुसार इस प्रकार से डीजे बजाकर निकाह करने पर साफ मना किया हुआ है।

1100 रुपए की फीस निर्धारित, ज्यादा वसूला तो कार्रवाई

शहर काजी अब्दुल शकूर कादरी ने कहा कि लोगों से मिले फीडबैक के अनुसार कई बार सामने आया कि मौलाना निकाह करने के दौरान मनचाहे निकाह की राशि को वसूलते है। यही नहीं बाद में जब विवाह सर्टिफिकेट बनाने के लिए पहुंचता है तो साइन करने की एवज में भी पैसे की मांग की जाती है जिस पर आज से यह फैसला लिया है कि बूंदी शहर या जिले में कहीं पर भी निकाह आयोजित होगी वहां मौलाना 1100 की ऑफिशियल राशि को लेगा, यदि नेक के तौर पर कोई ऊपर से देना चाहे तो वह निकाह करने वाले की मर्जी है। लेकिन 1100 की राशि को लेकर निकाह कराने को कोई मना नहीं करेगा यदि हमारे पास इसकी कोई सूचना आती है तो संबंधित मौलाना पर कार्रवाई की जाएगी।

शहर में अब तक कादरी परिवार का रहा है अमन चैन का इतिहास

बूंदी जैतसागर रोड स्थित कादरी परिवार का अमन चैन को लेकर काफी पुराना इतिहास रहा है। मरहूम पीरजादा चमन कादरी लंबे समय तक बूंदी में शहर काजी रहे और उन्होंने अमन चैन को लेकर लोगों में अलख जगाई। बूंदी में कौमी एकता सोसायटी का गठन कर सभी समाजों के लोगों को जोड़ा। आज भी उनके मुरीद देशभर से , उनके आस्थाने पर आते हैं। हर वर्ष उनके पुण्यतिथि पर लोग जुटते है। यही नहीं पूर्व में बड़े राजनेताओं का भी इस परिवार में आना-जाना लगा रहा। पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेता परिवार के संपर्क में रहे। पूर्व शहर काजी चमन कादरी का निधन होने के बाद से उनके पुत्र अब्दुल शकूर कादरी शहर काजी का पद संभाल रहे है।

शहर काजी बनने पर लगा बधाई देने वाले का तांता

अब्दुल शकूर कादरी का शहर काजी बनने पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। जैसे लोगों को शहर काजी बनने की सूचना मिली तो आजाद पार्क स्थित कादरी कार्यालय पर लोगों का जुड़ना शुरू हो गया, लोगों ने अब्दुल शकूर कादरी का माला पहनकर स्वागत किया। यहां जिला वक्फ बोर्ड के सचिव मौलाना असलम, कौमी एकता समिति के उपाध्यक्ष महमूद अली, एडवोकेट शिफाउल हक, कांग्रेस पार्षद मोइनुद्दीन फॉरवर्ड, इदरीश बोहरा, राशिद भाई, नासिर मुल्तानी, मुकेश जैन, गुड्डू कादरी, तनवीर कादरी सहित विभिन्न लोग मौजूद रहे।

गर्भाशय कैंसर

जरूरी हैं इससे जुड़ी बातों को जानना

70 में से 1 महिला को गर्भाशय का कैंसर होता है, यह गायनेकोलॉजी से संबंधित सबसे खतरनाक कैंसर में से एक है क्योंकि अब तक गर्भशिय कैंसर की जांच के लिए कोई भी भरोसेमंद गायग्नोस्टिक स्क्रीनिंग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में, एडवांस स्टेज तक पहुंचने तक या तो इसकी पहचान नहीं हो पाती है अथवा रिपोर्ट गलत आती है। 75 प्रतिशत से भी अधिक मामलों में इसका पता एडवांस स्टेज में पहुंचने के बाद चलता है। सिर्फ 19 प्रतिशत मामलों का ही शुरुआत में पता लग पाता है। जिन महिलाओं की समस्या का एडवांस स्टेज में पहुंचने के बाद पता लगता है, उनमें से अधिकतर 5 साल तक भी जीवित नहीं रह पाती हैं। गर्भाशय कैंसर कोई भेदभाव नहीं करता है। यह किसी भी उम्र और किसी भी समुदाय की महिला को हो सकता है। यहां तक कि 1 साल की बच्ची को भी गर्भाशय कैंसर का पता चल चुका है। गर्भाशय कैंसर को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी इससे बचाव के आगे सबसे बड़ा रोड़ा है।

रिस्क फैक्टर्स

आनुवांशिक कारण

- गर्भाशय कैंसर के हर पांच में से एक मामले में पारिवारिक इतिहास जिम्मेदार होता है और जीन में बदलावों के साथ अगली पीढ़ी में खतरा और बढ़ जाता है। इसमें बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन में बदलाव शामिल है, जो स्तन और गर्भाशय कैंसर से संबंधित है।
- ब्रेस्ट कैंसर, गर्भाशय कैंसर या कोलन कैंसर का व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक इतिहास है।
- उन महिलाओं को गर्भाशय कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है जिनके किसी करीबी रिश्तेदार में गर्भाशय, स्तन या कोलन कैंसर का इतिहास रहा हो। कैंसर के पारिवारिक इतिहास वाली महिलाओं को शुरू से ही अपने डॉक्टर से बात करके यह जानकारी लेनी चाहिए कि उनके लिए कौन-सी स्क्रीनिंग आदि कराना फायदेमंद रहेगा।
- उम्र बढ़ना
- अनचाही इनफर्टिलिटी
- कभी भी अपने परिवार की महिला सदस्यों, दोस्तों और सहकर्मियों और खासतौर से अपने फैमिली फिजिशियन से गर्भाशय कैंसर से जुड़े संभावित जीवन रक्षक उपायों के बारे में र्चचा करने से बिल्कु ल न हिचकें। जितना ज्यादा हमें जानकारी होगी, शुरुआत में बीमारी का पता लग पाने की उम्मीद उतनी ही अधिक होगी। इससे गर्भाशय कैंसर के खिलाफ जंग हारने का खतरा भी काफी कम हो जाएगा।

लक्षण

- हालांकि गर्भाशय कैं सर के लक्षण गंभीर या गहरे नहीं होते हैं, खासतौर से शुरुआती दिनों में, लेकिन ये पूरी तरह साइलेंट भी नहीं होते हैं। जब इसे एक साइलेंट बीमारी के तौर पर ध्यान देते हैं तो पता चलता है कि गर्भाशय कैंसर से पीड़ित 95 फीसद महिलाओं को अस्पष्ट लेकिन स्थायी लक्षण होते हैं। ओवेरियन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में निम्नलिखित लक्षण दिखाई दे सकते हैं :
- सूजन
- पेड़ू या पेट में दर्द
- खाने में परेशानी महसूस होना और जल्दी पेट भरा हुआ महसूस होना
- बार-बार पेशाब आना
- गर्भाशय कैंसर के अन्य लक्षणों में बहुत ज्यादा थकान, अपच, छाती में जलन, पेट खराब होना, कमर के निचले हिस्से में दर्द और पैरों में दर्द जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। आंतों की आदत में बदलाव जैसे कि कब्ज या डायरिया होना, वजन कम होना, माहवारी अनियमित होना और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण भी इसमें दिखाई दे सकते हैं।
- अगर आपको इनमें से कुछ लक्षण दिखाई दें और ये 2 हफ्तों तक बरकरार रहें तो अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

गर्भाशय कैंसर स्क्रीनिंग टेस्ट

- अगर महिला में कोई भी लक्षण दिखाई न दें तो गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए कोई भी विश्वसनीय तरीका उपलब्ध नहीं है। हालांकि नियमित गायनेको लॉजी टेस्ट के दौरान गर्भाशय कैंसर का पता लगाने के दो तरीके हैं- पहला है ब्लड टेस्ट जिसमें प्रोटीन, जिसे सीए-125 कहते हैं, का बढ़ा हुआ लेवल जांचते हैं। दूसरा तरीका है गर्भाशय का अल्ट्रासाउंड टेस्ट।

गर्भाशय कैंसर की सर्जरी

- अगर बीमारी का शक होता है तो गायनेको लॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा सर्जरी कराया जाना चाहिए, जिन्हें महिलाओं के प्रजनन सिस्टम संबंधी कैंसर के इलाज का प्रशिक्षण मिला हो। इस सर्जरी का उद्देश्य होता है, जहां तक हो सके, कैंसर वाले हिस्से को हटा देना।

साइलेंट किलर से लेकर एक स्पिरिंग बीमारी

- गर्भाशय कैंसर पूरी तरह साइलेट बीमारी नहीं है लेकिन इसके लक्षणों को पहचानने के लिए महिलाओं को अपने शरीर की स्पिरिंग आवाज को सुनना और इसके लक्षणों को पहचानना पड़ता है। आपको कोई गायनेकोलॉजिकल कैसर है, तो अगर अपना इलाज एक गायनेकोलॉजिकल कैसर विशेषज्ञ से कराएंगी तो आपके सकुशल का उम्मीद ज्यादा रहेगी।

- हम चाहते है कि महिलाएं गायनेकोलॉजिकल कैसर के खतरे को कम से कम करने के लिए कुछ चरणों के बारे में अवशय जानकारी रखें। विशेषज्ञों की बेहतरीन टीम के साथ हम यहां उनकी सहायता के लिए मौजूद रहते हैं।

डॉ. रीनू जैन
कंसल्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, जेपी हॉस्पिटल, नोएडा

कई रोगों की एक दवा हैं कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है। मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

आकर्षक व्यक्तित्व का आईना आपके दांत

गलत खान-पान की आदतों के कारण हमें कई रोगों का सामना करना पड़ रहा है। जहां हृदय रोगियों व मधुमेह रोगियों आदि की संख्या बढ़ रही है वहीं दांतों और मसूढ़ों संबंधी रोगों में भी बढ़ौतरी आई है। पायरिया, दांत में कीड़ा लगना, बैक्टीरियल प्लाक आदि इनमें मुख्य हैं।

- मोतियों के समान दांत और स्वस्थ मसूढ़े आपके व्यक्तित्व को आकर्षक भी बनाते हैं इसलिए स्वास्थ्य व सौंदर्य दोनों दृष्टि से दांतों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। आइए जानें कि दांतों की देखभाल कैसे की जाए ताकि उनसे संबंधित बीमारियों से सुरक्षा पाई जा सके।
- सुबह व शाम नियमित अच्छे टूथब्रश और टूथपेस्ट से दांत साफ करें। ब्रश की सहायता से दांतों की बाहरी, भीतरी दोनों सतहों को साफ करें। मसूढ़ों पर ब्रश न करें। इससे मसूढ़ों को नुक्सान पहुंच सकता है।
- हमेशा साफ्ट ब्रिसल वाला ब्रश ही खरीदें और ब्रश पुराना या ब्रश के दांतों के टेढ़े-मेढ़े होने पर ब्रश बदल लें।
- दांतों पर ब्रश जोर से न मारें बल्कि धीरे-धीरे दांतों पर ब्रश को चलाएं। अधिक जोर से रगडने पर दांत ज्यादा अच्छी तरह साफ होते हैं, ऐसा सोचना गलत है। ब्रश का कार्य दांतों से प्लाक की सफाई करना होता है जो सही तरीके से ब्रश करने पर ही हो सकता है।
- जब भी आप कुछ खाएं, उसके बाद कुल्ला अवश्य करें। मीठे भोज्य पदार्थ खाने के पश्चात तो ब्रश अवश्य करें। मीठे भोज्य पदार्थ अम्ल बनाते हैं जो कीटाणुओं को जन्म देते हैं।
- दांतों या मसूढ़ों पर कोई भी संक्रमण पाएं तो तुरन्त दंत चिकित्सक से सम्पर्क करें।
- धूम्रपान करने से भी दांतों पर निकोटिन के कारण धब्बे पड़ जाते हैं जिससे दांत अनाकर्षक लगते हैं। पान, गुटखा आदि भी दांतों को नुक्सान पहुंचाते हैं।
- दांतों की कसरत के लिए सबसे जरूरी है खाने को अच्छी तरह चबा-चबा कर खाना। इससे आपकी आंतों को भी कम मेहनत करनी पड़ेगी।
- दांतों के स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन आदि से युक्त भोजन का सेवन करें।
- मसूढ़ों से अगर खून आता है तो इसका अर्थ संक्रमण की शुरूआत है। डैंटिस्ट से सम्पर्क करें व उसके द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

उच्च रक्तचाप की समस्या है तो जांच लें अपना बीएमआई

लंदन। अगर आप उच्च रक्तचाप की समस्या से जूझ रहे हैं, तो सर्वप्रथम अपना बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच लें। एक नए शोध के अनुसार, सोडियम की मात्रा की बजाय बीएमआई स्वास्थ्य को अधिक प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं ने वेब आधारित अध्ययन दस्ते न्यूट्रीनेट-सैन्ट स्टडी के 8,670 वालंटियरों के डाटा का विश्लेषण कर पाया कि बीएमआई, रक्तचाप का स्तर बढने की मुख्य वजह है। शोध के दौरान, 24 घंटे के रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर आहारीय खपत का मूल्यांकन किया गया। जीवनशैली संबंधी जानकारी प्रश्नावली और तीन रक्तचाप माप का इस्तेमाल कर जुटाई गई थी। सिस्टोलिक बीपी (एसबीपी) और जीवनशैली से आयु और उसके बाद बहु-वेरीइट का संबंध बहु-रेखीय प्रतिगमन का इस्तेमाल कर आंका गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन्नत बॉडी मास इंडेक्सिस वाले प्रतिभागियों में एसबीपी उच्च था। पुरुषों में नमक की खपत का एसबीपी से सकारात्मक संबंध था, लेकिन महिलाओं में नहीं। शोध के लेखकों ने कहा, ''दोनों लिंगों में फलों व सब्जियों की खपत के बीच नकारात्मक संबंध और एसबीपी महत्वपूर्ण था।'' दोनों लिंगों में शराब की खपत का एसबीपी से सकारात्मक संबंध था, जबकि शारीरिक गतिविधि का नहीं था।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बूंदी सेवा केंद्र के तत्वाधान में आयोजित नशा मुक्त देश हमारा अभियान

चमकता राजस्थान। बूंदी,(राजकुमार राठौड) बूंदी- शहर के कई स्थानों में और स्कूलों में जैसे ईमानवेल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, करियर प्वाइंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गुरुकुल विद्या भवन स्कूल में कराया गया। एक लघु नाटिका के माध्यम से व्यसनों से होने वाले दूस्प्रभाव के बारे में बताया गया । जिसका लाभ बच्चों सहित है शहर के हजारों लोगों ने लिया।ब्रह्माकुमारी अलका दीदी ने इस अभियान के दौरान बताया नशा देश और समाज के लिए गंभीर समस्या है जिसके कारण मनुष्य का जीवन अनेक बुराइयों में फंसता चला जाता है । नशे की लत में पड़ा व्यक्ति अपने शरीर को तो नुकसान पहुंचता ही है, साथ अपने धन का भी नुकसान करता है नशे करने वाला व्यक्ति अपना मानसिक संतुलन को खो देता है । जिसके कारण वह अपनी जिम्मेवारियों को भी सही रूप से नहीं निभा पाता और उसके जीवन में सदैव तनाव बना रहता है। नशा एक ऐसी बुराई है जो हमारे देश और समाज को खोखला कर रहा है । नशे की लत में पड़ा व्यक्ति खुद तो दुखी होता ही है उसकी ऐसी आदतों की वजह से उसके परिवार को भी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति देश के निर्माण बाधक बन जाते हैं।भारत सरकार के साथ मिलकर ब्रह्माकुमारी संस्था देश में नशा मुक्ति अभियान का हिस्सा बनकर देश के नागरिकों को नशों से मुक्त करने के लिए अनेक अभियान और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं जिसके माध्यम से बताया जाता है कि मनुष्य के जीवन में खुशी और शक्ति की कमी होने के कारण या गलत संग के प्रभाव के कारण व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के बीड़ी तंबाकू शराब या अन्य कोई भी नशे की ओर जाता है यदि हम प्रतिदिन अपने जीवन में राजयोग मेडिटेशन द्वारा ज्ञान की विधि को अपनाते हैं जो ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा निःशुल्क सिखाया जाता है। उसके माध्यम से हमारे जीवन में पॉजिटिविटी आती है जिससे सच्ची खुशी की प्राप्ति होती है। और मन शक्तिशाली बनता है इस तरह की बुराइयों से बचने के लिए जो शक्ति मनुष्य को चाहिए वह ईश्वर से जुड़कर ही मिल सकती है और ब्रह्मा कुमारीज में दी जा रही शिक्षाओं के द्वारा हम बहुत सहज विधि से परमात्मा को जानकर सही विधि के अनुसार उनकी असीम शक्तियां अपने जीवन में ला सकते हैं जो हमें अनेक बुराइयों से बचते हैं और एक अच्छा श्रेष्ठ जीवन जीने की विधि बताते हैं जो वर्तमान समय हर एक चाहे वह किसी भी वर्ग और किसी भी आयु का हो सभी के लिए मेडिटेशन की यह विधि अति आवशयक है इसके साथ ही नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए आदरणीय राजयोगिनी रजनी देवी ने बताया जितना हम अपने जीवन में गुण अपनाते जाएंगे उतना ही हमारे जीवन से बुराइयां स्वत ही निकल जाती हैं जैसे अंधकार को भगाने के लिए एक दीपक ही काफी है वैसे ही यदि हम श्रेष्ठ संकल्प करते हैं मुझे अपने जीवन को अच्छा बनाना है तो परमात्मा का आशीर्वाद हमें मिलने लगता है और हम अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाकर संसार और देश निर्माण के कार्य में अहम भूमिका निभा सकते हैं इस अभियान में सहयोग के लिए बूंदी ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र प्रभारी आदरणीय रजनी दीदी जी ने जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश राठौर और जिला परिवहन अधिकारी प्रमोद लोढ़ा जी को धन्यवाद दिया।

एसडीआरएफ व एनडीआरएफ का संयुक्त ऑपरेशन

दौसा में 35 फीट गड्ढे में फंसी 2 साल की मासूम नीरू को किया रेस्क्यू

17 घंटे गड्ढे में फंसी रही थी बालिका, रेस्क्यू टीमों ने सुरंग बनाकर बाहर निकाला

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 19 सितम्बर। दौसा जिले के बांदीकुई थाना अंतर्गत जोधपुरिया गांव में बुधवार शाम 5:00 बजे एक बोरवेल के समीप बने 35 फीट गहरे गड्ढे में खेलते समय गिरी 2 साल की मासूम नीरू गुर्जर को एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन कर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है एसडीआरएफ के कमाण्डेन्ट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि बुधवार शाम करीब 5:20 बजे सूचना मिली कि जोधपुरिया गांव में एक दो साल की मासूम बच्ची नीरू गुर्जर एक 600 फीट गहरे बोरवेल के पास बने 35 फीट गहरे गड्ढे में खेलते समय गिर गई। बच्ची 30 फीट की गहराई पर फंसी हुई है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ जी कम्पनी की रिजर्व पुलिस लाईन जिला दौसा में तैनात रेस्क्यू टीम के प्रभारी हैड कांस्टेबल इन्द्रजीत कुलदीप को अविलम्ब घटना स्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए गये।एसडीआरएफ के एडीजी अनिल पालीवाल के निर्देशानुसार बटालियन मुख्यालय गाडोता से बोरवेल रेस्क्यू उपकरणों के साथ

बोरवेल का प्रशिक्षण प्राप्त जवानों की एक्सपर्ट टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया। साथ ही अजमेर में स्थित एनडीआरएफ के सहायक कमाण्डेन्ट योगेश मीणा से सम्पर्क कर रेस्क्यू टीम को घटनास्थल पर भेजने का अनुरोध कियारेस्क्यू टीम प्रभारी 10 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ सांय 07:15 बजे घटनास्थल पर पहुँचे। टीम कमाण्डर ने स्थिति का जायजा लिया। टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के जवानों संदीप कुमार, बजरंग लाल, मदन, प्रदीप दान, रामप्रताप, सुनील कुमार, नरसी राम, मनोहर सिंह, मनोज कुमार, राकेश कुमार, रामरख, भागीरथ सिंह तथा कृष्ण कुमार ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया ।कुछ समय के पश्चात अजमेर से एनडीआरएफ की एक रेस्क्यू टीम सहायक कमाण्डेन्ट योगेश मीणा के नेतृत्व में घटना स्थल पर पहुँची। सबसे पहले रेस्क्यू टीमों ने बोरवेल में वीएलसी कैमरा डाल कर बच्ची पर निगरानी रख ऑक्सीजन सप्लाई पहुँचाई। स्थानीय प्रशासन द्वारा बोरवेल से 15 फीट की दूरी पर जेसीबी एवं एलएनटी मशीनों की मदद से खुदाई का कार्य जारी रखादोनों रेस्क्यू टीमों ने स्वनिर्मित उपकरणों एवं रोप से लूप बनाकर बच्ची को रेस्क्यू करने का प्रयास किया। लगातार प्रयास करने के बाद सफलता नहीं मिलने पर कमाण्डेन्ट सिसोदिया के निर्देशानुसार सुरंग से बालिका को जीवित रेस्क्यू करने की योजना बनाई। समय-समय पर बालिका को बोतल से पानी व दूध पीने के लिए दिया गया। जेसीबी मशीनों से करीब 30 फीट की खुदाई करने के बाद सुरंग बनाने का कार्य शुरू किया गया।खोदे गये गड्ढे से बालिका तक पहुँचने के लिए 03 फीट चौड़े कंक्रीट पाईप के जरिये सुरंग खोदने का कार्य शुरू किया गया। 20 फीट लम्बा पाईप डालने के बाद भी बालिका तक नहीं पहुँच पाये तो एसडीआरएफ के दो जवानों संदीप कुमार तथा बजरंग लाल ने 20 फीट सुरंग से आगे खुदाई का कार्य शुरू किया। 03 फीट और खुदाई करने के बाद दोनों जवानों को प्रातः करीब 10:10 बजे सफलता प्राप्त हुई। दोनों जवानों ने 23 फीट लम्बी सुरंग से 35 फीट की गहराई में फंसी 02 वर्षीय बालिका नीरू पुत्री राहुल गुर्जर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया एसडीआरएफ टीम के जवानों ने संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन से बोरवेल में गिरी बालिका को जीवित बचाकर साहस, शौर्य, बहादुरी एवं कौशल का परिचय तो दिया ही साथ ही एसडीआरएफ के स्लोगन ''आपदा सेवार्थ कटिबद्धता'' को पूर्णरूप से चरितार्थ किया है।

ए टू ज़ेड मशीनरी सोल्यूशन वर्कशॉप में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

- **आधुनिक तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट कार्यकुशलता ही प्राथमिकता:- विजय सिंह जाटव**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर में महलरोड, जयचंदपुरा, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ए टू ज़ेड मशीनरी सोल्यूशन वर्कशॉप मे गुरुवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया!सम्मान समारोह में वर्कशॉप केप्रॉपराइटर विजय सिंह जाटव को उनके द्वारा बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में काम आने वाली विभिन्न मशीनों के मेंन्युफीक्चरिंग करने के सम्बन्ध में उत्कर्ष कार्य करने पर माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया!विजय कुमार जाटव उक्त कार्यक्षेत्र में कई

आधुनिक मशीनों के मेनयूफेक्चरर के रूप में जयपुर में जाने जाते है! उनके द्वारा जयपुर शहर में ऐसी मशीनों में कंकरीट मिक्सर, लिफ्ट मशीन, मंकी क्रैन, कंपेक्टर मशीनों आदि का आधुनिक तकनीक से निर्माण किया गया है!हाल ही में उनके द्वारा लिफ्ट में होने वालो हादसों से बचने के लिए डबल आयरन रोप (रस्सा)लगाकर लिफ्ट का निर्माण किया है! इनके सराहनीय कार्य को देखते हुए इस अवसर पर घाट की गूनी जयपुर में स्थित न्यू फ्रेंड्स इंजीनियरिंग के प्रॉपराइटर पप्पू कुरैशी द्वारा उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं भविष्य में भी उनके ऐसे कार्य करने की कामना की! इस अवसर पर वर्क शॉप में कार्यरत लक्ष्मण शर्मा, धरमवीर सिंह, रमेश मीणा, सलीम खान, अनिल शर्मा, राजकुमार सिंह एवं गणेश तिवाड़ी उपस्थित रहे।

खाटू श्याम सेवा परिवार नंदपुरी सोडाला के तत्वावधान में आयोजित किया गया सुरताल कार्यक्रम

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता ही कार्यक्रम की प्राथमिकता : सोनिया कौशिक

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) खाटू श्याम सेवा परिवार नंदपुरी सोडाला जयपुर के तत्वावधान में होटल गोल्डन ईगल रिसोर्ट में सुरताल कार्यक्रम का आयोजन किया गया 'कार्यक्रम संयोजक सोनिया कौशिक ने बताया कि सुरताल में महिलाओं की सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए गायन, नृत्य व ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ' जिसमें हर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिलाओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया गया ' निर्णायक कमेटी मे जज कमल अग्रवाल,उषा जैन, इंद्रा पालीवाल, आरती भदौरिया, एंकर निकेता त्रिवेदी उपस्थिति थे व सुरताल कार्यक्रम मे चुनी गई जयपुर क्वीन जिया पलटा उपस्थिति थी 'कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजेंद्र टोकसिया भादरा, पंकजओझा अतिरिक्त आयुक्त खाद्य विभाग, मृदुला चतुर्वेदी ओ एस डी भाषा व पुस्तकालय विभाग, अनीता शर्मा डायरेक्टर फीदर वेट ग्रुप ,मोनिका गुप्ता डायरेक्टर दा जयपुर लाख , पंकज चौधरी, कांग्रेस नेता रोहित तिवाड़ी व मण्डल के सचिव विनोद शर्मा, उपाध्यक्ष महेश आसोदिया, करण कौशिक, विकास शर्मा आदि उपस्थिति थे '

बूंदी बस डिपो के दो बस सारथी 113 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करवाने पर किए ब्लैकलिस्टेड

- **मुख्यालय के आदेश पर अब प्रबंधक के खिलाफ 17 सीसी की कार्यवाही का इंतजार**

चमकता राजस्थान। बूंदी(राजकुमार राठौड़) राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम बूंदी डिपो के दो बस सारथी अगस्त माह में 30 सवारी और 83 सवारी बिना टिकट के बड़े रिमार्क के साथ ब्लैकलिस्टेड किया गया है, जिससे रोडवेज को बड़ी आर्थिक हानि भी पहुंची है। वही, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम मुख्यालय जयपुर के 7 जून 2024 को जारी किए आदेश में कहा गया कि अगर किसी एक माह में दो बस सारथी ब्लैक लिस्टेड होते हैं तो उस डिपो के प्रबंधक के खिलाफ 17 सीसी की कार्यवाही की जाएगी। लेकिन बूंदी डिपो में अगस्त 2024 में एक साथ दो बस सारथी के 113 सवारी बिना टिकट मिलने पर ब्लैकलिस्टेड किये जाने के बावजूद भी मुख्यालय के आदेशों की मुख्यालय से पालन नहीं होने पर सवाल उठ रहे है। दरअसल, बूंदी रोडवेज के बस सारथी आवेश खान को 11 अगस्त 2024 को कोटा जयपुर वाया केशोरायपाटन नैनवा मार्ग पर 30 सवारी बिना टिकट के मिली थी, जिस पर 605 रुपए की राशि का नुकसान बताते हुए प्रकरण में तत्काल कार्यवाही करते हुए बस सारथी का अनुबंध समाप्त कर धरोहर राशि जप्त का ब्लैकलिस्टेड कर दिया था। इसी प्रकार 18 अगस्त 2024 को मंसूर अली को इंदौर बूंदी सोयत मार्ग पर 42 यात्री बिना टिकट मिले, इसी दिन इसी मार्ग पर इसी बस सारथी को 41 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करवाते पकड़ा गया, इस प्रकार एक दिन में इस बस सारथी के द्वारा 83 यात्री बिना टिकट यात्रा कराते पाए जाने पर इसे भी ब्लैकलिस्टेड किया गया। इस प्रकार एक महीने में दो बस सारथियों को ब्लैक लिस्टेड कर देने के बावजूद भी मुख्यालय अपने आदेश पर खुद ही कार्यवाही करने से पीछे क्यों हट रहा है। जिससे ऐसा लगने लगा है कि यह सब मिली भगत का खेल चल रहा है। जब बाड ही खेत को खाने लगे तो, खेत में पैदावार कैसे होगी,

- **बस स्टैंड पर रहता है गंदगी का अंबार**

बस स्टैंड पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है , सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है जिसके कारण यात्रियों का स्वास्थ्य भी दुषित होने का अंदेशा है, प्रबंधक की लापरवाही के कारण 6 माह से टायलेट का निर्माण भी अधुरा पडा हुआ है जिसके कारण महिलाओं को टॉयलेट के लिए बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कोटा जाने वाले बस यात्रियों के लिए नहीं है छाया की ओर पानी से बचने की कोई व्यवस्था कोटा जाने वाले यात्रियों के लिए पानी से बचने के लिए और छाया के लिए कोई व्यवस्था बस स्टैंड पर नहीं है, क्योंकि प्रबंधक ने अपनी हट धर्मिता के कारण यात्रियों को खुले में बस का इंतजार करने के लिए मजबूर किया हुआ है, जों यात्री प्रतीक्षालय है उसका उपयोग नहीं किया जा रहा, कोटा जाने वाली बस अगर प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़ी होने लगें तो यात्रियों को छाया और पानी से बचने के लिए सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन पता नहीं क्यों प्रबंधक ऐसा नहीं करना चाहती। बूंदी से चित्तौड़ के लिए कोई बस सेवा उपलब्ध नहीं है इस बारे में भी प्रबंध यात्रियों को कोई व्यवस्था नहीं दे पा रही हैं। सुनीता जैन प्रबंधक यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने में हर तरह से नाकाम रही है। मुख्यालय को यात्रियों को सुविधा मिले ,इस स और विशेष ध्यान देने की आवशयकता है

फरियादियों के चेहरे पर खिली मुस्कान...

जिला कलक्टर के निर्देश पर मौके पर ही हुआ समस्या का समाधान

सांसद राव राजेंद्र सिंह एवं मंजू शर्मा की मौजूदगी में हुआ जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम

मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में आयोजित जनसुनवाई में 176 फरियादियों की हुई सुनवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)19 सितंबर। किसी की रुकी हुई पेंशन शुरू हो गई, तो किसी को निःशुल्क इलाज के रूप में मिली संजीवनी, किसी के बेहतर भविष्य के सपने को मिला छात्रवृत्ति का संबल तो किसी को मिला पालनहार योजना का सहारा। कुछ ऐसा ही नजारा था गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई का। जयपुर सांसद मंजू शर्मा एवं जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह सहित विधायकों की मौजूदगी में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने 176 परिवादियों के परिवाद सुने, जिनमें से कई प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए कलक्टर

ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवशयक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।जिला कलक्टर के निर्देश पर फरियादी रणवीर सिंह को अब कैंसर का इलाज निःशुल्क मुहैया करवाया जाएगा। तो वहीं, मुन्नी देवी की एक साल से रुकी हुई पेंशन भी शुरू हो गई है। जब मौके पर ही फरियादियों को समस्याओं का समाधान मिला तो उन्होंने जिला कलक्टर का आभार जताया जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 176 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने पेंशन शुरू करवाने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने, पेयजल की सप्लाई सुचारू कराने, पत्थरगढ़ी, कृषि भूमि में आवागमन हेतु रास्ता खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क, आवासीय पट्टा, बनवाने नामांतरण जमीन विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आमजन के प्रति जवाबदेही के साथ समस्याओं का निस्तारण करते हुए राहत देने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के अभाव अभियोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर संवेदनशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं।

- **कार्यक्रम में ये विशेष गणमान्यजन भी रहे मौजूद**

» जनसुनवाई में विधायक गोपाल शर्मा, महेन्द्रपाल मीणा, रामअवतार बैरवा, डॉ शिखा मील बराला, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) विनिता सिंह सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929